RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः83 , गुरुवार, 07 मई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 | 9471060219, 9470050309 | www.bordernewsmirror@gmail.com

मेहसी में गूंजेगा लीचीपुरम उत्सव का रंग, आगामी 30 व 31 मई को होगा भव्य आयोजन 03

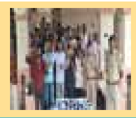

ऑपरेशन मुस्कान के तहत बेतिया पुलिस ने लौटाए 60 गुम मोबाइल 04

रेड ड्रेस में कियारा आडवाणी का दिखा कातिलाना अंदाज, फिल्म... 07

संक्षिप्त समाचार

असम में 12 मई को शपथ, पीएम मोदी रहेंगे मौजूद

● हिमंता सरमा ने बताया-कब चुना जाएगा नया सीएम

दिसपुर (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मुलाकात की और उन्हें इस्तीफा सौंप दिया। फिलहाल वह नई सरकार के गठन तक कार्यवाहक मुख्यमंत्री के तौर पर कार्यभार संभालेंगे। जानकारी मिल रही है कि नई सरकार का शपथ समारोह 12 मई को होगा और इस आयोजन में पीएम नरेंद्र मोदी समेत भाजपा के तमाम सीनियर नेता मौजूद रहेंगे। सूत्रों का कहना है कि लगातार तीसरी बार हिमंत बिस्वा सरमा को ही मुख्यमंत्री का पद मिलने की संभावना है। हिमंत बिस्वा सरमा ने

राज्यपाल से मुलाकात के बाद एक फिर से राज्य की जनता का धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि असम के लोगों ने हमारी सरकार पर भरोसा जताया है। उन्होंने पीएम मोदी के प्रति अपना समर्थन जताया है। जनता चाहती है कि असम में विकास की गंगा बह रही है, वह जारी रहे। असम के सीएम को लेकर जब हिमंत बिस्वा सरमा से पूछा गया तो उन्होंने अपने बारे में कुछ भी नहीं कहा। उनका कहना था कि राज्य में केंद्रीय पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में विधायक दल की बैठक होगी। इस मीटिंग में ही असम के नए मुख्यमंत्री का चुनवा किया जाएगा। भाजपा इससे पहले मध्य प्रदेश, राजस्थान जैसे राज्यों में भी नेतृत्व को लेकर चौंका चुका है। ऐसे में हिमंत बिस्वा सरमा रिपीट होंगे या नहीं।

बंगाल में 9 मई को शपथ समारोह, कई नामों पर कयास– बता दें कि बंगाल में 9 मई को ही शपथ समारोह होना है और शुक्रवार को मुख्यमंत्री चुनने के लिए विधायक दल की मीटिंग होगी। बंगाल में शुभेंदु अधिकारी के अलावा समिक भट्टाचार्य, दिलीप घोष समेत कई नेताओं को रेस में माना जा रहा है। यहां तक कि रूपा गांगुली और अग्निमित्रा पॉल जैसी महिला नेताओं के नाम भी चर्चा में हैं।

जीरो टॉलरेंस से यूपी में निवेश बढ़ा

● योगी बोले-हमारी उदारता को कोई हमारी विवशता न समझने की भूल करे

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज में बुधवार को नॉर्थ टेक सिम्पोजियम 2026 के अंतिम दिन सीएम योगी पहुंचे। उन्होंने कहा– यूपी में जीरो टॉलरेंस की नीति लागू करने के बाद प्रदेश में निवेश और निवेशक बढ़े हैं। उन्होंने कहा– आज हम सामरिक और आंतरिक शक्ति को इसलिए नहीं बढ़ा रहे कि हमें किसी पर आक्रमण करना है। अपितु इसलिए कि हमारी उदारता को कोई हमारी विवशता न समझने की भूल करे। राष्ट्र की समृद्धि के लिए सामर्थ्य हमेशा अनिवार्य है। समृद्धि केवल संसाधनों से नहीं आती है। इसके लिए सुरक्षा, स्थिरता और सामर्थ्य का मजबूत आधार

उतना ही आवश्यक होता है। उन्होंने कहा– 2017 में सत्ता संभालने के बाद इन बातों को हम जानते थे। क्योंकि उत्तर प्रदेश की जो छवि थी। पहचान का संकट था। हम लोग इस बात को मानते थे कि हमें अगर सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त करना है। तो हमें सुरक्षा का एक बेहतर माहौल बनाना होगा। रूल ऑफ लॉ को जमीन पर उतारना होगा। अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस को पूरी सख्ती के साथ लागू करना पड़ा था। आज हम इस बात को मान सकते हैं कि हमने उस समय जो कानून का राज स्थापित करने का संकल्प लिया। आज उसने उत्तर प्रदेश के इस मॉडल की ओर सभी का ध्यान आकर्षित किया।

उदारता हमारा संस्कार और करुणा हमारा स्वभाव

सीएम योगी ने कहा– अयं निज : परो वेति गणना लघुचेतसाम् ।उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम ॥ ये केवल एक श्लोक नहीं है। संपूर्ण वसुधा को एक परिवार के रूप में अपने साथ जोड़ने और उसके प्रति उदार भाव ये भारतीय संस्कृति की सदैव से प्रेरणा रही है। लेकिन उदारता हमारा संस्कार है। करुणा हमारा स्वभाव। परंतु हमे ये ध्यान रखना होगा कि जो सुरक्षित है वही समृद्ध भी है। उदारता की रक्षा के लिए उतनी ही शक्ति और सामर्थ्य भी चाहिए। राष्ट्रीय कवि दिनकर ने इसीलिए ये बातें कही थीं।

ममता बनर्जी के आवास के बाहर से हटी सुरक्षा बैरिकेडिंग

● अभिषेक बनर्जी के घर के बाहर भी घटाई गई सिक्योरिटी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत के बाद बदलाव की बयार बहनी शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जो अपने गढ़ भवानीपुर में भी जीत हासिल नहीं कर पाई, उनके आवास के बाहर से सुरक्षा घेरे को कम कर दिया गया है। सत्ता परिवर्तन के 24 घंटे बाद ही मुख्यमंत्री आवास के आसपास की सड़कों को आम जनता के लिए खोल दिया गया है। यह रास्ते बीते कई वर्षों से सुरक्षा के मद्देनजर प्रतिबंधित क्षेत्र थे। कालीघाट

स्थित 30बी हरीश चटर्जी स्ट्रीट पर सीएम ममता के आवास तक जाने वाले रास्ते पर वर्षों से मौजूद कड़ी सुरक्षा व्यवस्था तेजी से हटती नजर आई। हाजरा क्रॉसिंग के पास हरीश चटर्जी स्ट्रीट पर लगी बैरिकेडिंग को हटा दिए गए हैं। वहीं, जो पुलिसकर्मी पहले लोगों की आवाजाही नियंत्रित करते थे वह सब वहां से गायब दिखाई दिए।

जनता के लिए बदलाव त्वरित और अप्रत्याशित

स्थानीय लोगों के लिए यह बदलाव त्वरित और अप्रत्याशित था। इस संबंध में मुख्यमंत्री के पड़ोसी ने बताया कि पहले हमें धीमा चलना पड़ता था, सवालों के जवाब देने पड़ते थे और आधार कार्ड साथ रखना होता था। हमारे रिश्तेदारों को भी चक्कर लगाकर आना पड़ता था। उन्हें परेशानी ना हो इस वजह से हम अक्सर उनके आने की जानकारी पहले ही पुलिस को दे देते थे। लेकिन अब वो पुलिस यहां हैं ही नहीं। रिपोर्ट के अनुसार हरीश चटर्जी स्ट्रीट को कालीघाट रोड से जोड़ने वाली संकरी गलियां जो लंबे समय से सुरक्षा के नाम पर बंद थीं उन्हें भी खोल दिया गया है। इस बदलाव के बाद वर्षों से बंद पड़े रास्ते फिर से आम लोगों के लिए चालू हो गए हैं। यही नहीं, ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के घर के बाहर भी सुरक्षा कम कर दी गई है। वहीं, सेंट्रल कोलकाता की कैमैक स्ट्रीट स्थित उनके कार्यालय के बाहर भी पुलिस तैनाती कम कर दी गई। 2016 में ममता बनर्जी के दूसरे कार्यकाल के बाद से बनी इस सुरक्षा व्यवस्था को हटाने का फैसला ऐसे राजनीतिक उलटफेर के बाद लिया गया, जिसकी कम ही लोगों को उम्मीद थी। 15 वर्षों से अधिक समय तक भवानीपुर तृणमूल कांग्रेस का अटूट गढ़ रहा, जहां चुनावी मुकाबले अक्सर औपचारिकता जैसे ही नजर आते थे।

वंदे मातरम गीत को अब राष्ट्रगान जैसा दर्जा

● कैबिनेट की मंजूरी, जन-गण-मन से पहले गाया जाएगा

अपमान करने या गायन में बाधा डालने पर सजा-जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने वंदे मातरम को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के समान दर्जा देने का फैसला किया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली जीत के बाद पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की पहली बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम में संशोधन के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है। कैबिनेट के फैसले के अनुसार, बंकिम चंद्र चटर्जी रचित वंदे मातरम पर अब वही नियम और पाबंदियां लागू होंगी, जो वर्तमान में राष्ट्रगान पर लागू हैं। यानी इसके अपमान या गायन में बाधा डालने की स्थिति में सजा होगी। अभी राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान के अपमान पर जेल, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है, और अब वंदे मातरम भी इसमें शामिल किया जाएगा।

पहले 'राष्ट्रगीत' गाया जाएगा और उसके बाद 'राष्ट्रगान'

अगर किसी कार्यक्रम में 'वंदे मातरम' और 'राष्ट्रगान' दोनों होने हैं, तो पहले 'वंदे मातरम' (राष्ट्रगीत) गाया जाएगा और उसके बाद 'राष्ट्रगान' दिशा–निर्देशों में आगे यह भी स्पष्ट किया गया है कि दर्शकों से अपेक्षा की जाती है कि वे सम्मान के प्रतीक के रूप में दोनों प्रदर्शनों के दौरान सावधान मुद्रा में खड़े रहें। गृह मंत्रालय ने स्कूल–कॉलेज और महत्वपूर्ण संस्थागत कार्यक्रमों के दौरान वंदे मातरम गाने को बढ़ावा देने का भी आग्रह किया है। इस कदम का उद्देश्य स्टूडेंट्स और आम जनता के बीच राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति जागरुकता और सम्मान को प्रोत्साहित करना है। यह भी बताया गया है कि जब वंदे मातरम का प्रदर्शन किसी बैंड द्वारा किया जाता है, तो उससे पहले ढोल की थाप या बिगुल की ध्वनि से औपचारिक गायन की शुरुआत का संकेत देना चाहिए।

कांग्रेस ने किया टीवीके को समर्थन का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु में सरकार गठन को लेकर बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। कांग्रेस ने औपचारिक रूप से तमिलगा वेत्री कड़गम और उसके प्रमुख विजय को समर्थन देने का ऐलान किया है। कांग्रेस की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि राज्य की जनता ने टीवीके को बहुत स्पष्ट, मजबूत और भारी बहुमत दिया है। इसी को ध्यान में रखते हुए तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी और कांग्रेस विधायक दल ने सरकार बनाने में टीवीके का समर्थन करने का फैसला किया है। टीवीके ने अपने पहले ही चुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए डीएमके और एआईएडीएमके जैसे पुराने दलों को कड़ी टक्कर दी है। कांग्रेस ने कहा है कि उसका समर्थन तभी तक रहेगा, जब तक टीवीके किसी भी सांप्रदायिक ताकत को अपने गठबंधन में शामिल नहीं करेगी। पार्टी ने साफ किया कि गठबंधन संविधान में विश्वास रखने वाले दलों के साथ ही होगा। कांग्रेस ने यह भी कहा कि यह गठबंधन सामाजिक न्याय और संविधान के मूल्यों को आगे बढ़ाएगा।

सम्राट कैबिनेट में होगी निशांत कुमार की एंट्री

● विभाग की भी हो रही चर्चा, पटना में बढ़ी सियासी हलचल

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में 7 मई का दिन बड़ा बदलाव लेकर आने वाला है। राजधानी पटना के गांधी मैदान में प्रस्तावित सम्राट चौधरी मंत्रिमंडल विस्तार से पहले सत्ता गलियारों में हलचल तेज हो गई है। सबसे अधिक चर्चा पूर्व मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के बेटे निशांत कुमार को

लेकर है। जानकारी के अनुसार, जदयू नेताओं के साथ हुई बैठक में निशांत ने मंत्री पद की जिम्मेदारी स्वीकार करने पर सहमति जता दी है।

जानकारी के अनुसार निशांत सरकार का हिस्सा बनने से इनकार कर रहे थे। सीनियर नेताओं के समझाने और मौजूदा सरकार में उनकी अहमियत बताने के बाद वे तैयार हुए। निशांत कुमार के संभावित मंत्रिमंडल में शामिल होने की खबर है।

● **विजय कुमार सिन्हा पर टिकीं नजरें –** भाजपा कोटे से पूर्व उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, मंगल पांडेय, दिलीप कुमार जायसवाल, राम कृपाल यादव और संजय सिंह टाइगर का मंत्री बनना लगभग तय माना जा रहा है। वहीं श्रेयसी सिंह, अरुण शंकर प्रसाद, लखेंद्र पासवान, रमा निषाद, प्रमोद कुमार चंद्रवंशी और सुरेंद्र मेहता की दोबारा वापसी की चर्चा भी तेज है। भाजपा इस बार दो नए चेहरों को भी मौका दे सकती है। जदयू कोटे से श्रवण कुमार, अशोक चौधरी, लेशी सिंह, मदन सहनी, सुनील कुमार, जमा खान, रत्नेश सदा और जयंत राज के नाम प्रमुख दावेदारों में बताए जा रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर की बरसी पर चिनाब में चुल्लू भर पानी!

● चिनाब नदी पर भारत के मास्टरट्रोक से तड़प रहा होगा पाकिस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में आतंकी हमला के बाद भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों के खिलाफ कई ऐक्शन लिए थे। 6 मई 2025 की रात भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर स्थित आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाने के मकसद से ऑपरेशन सिंदूर चलाया था। साथ ही भारत ने पाकिस्तान की तरफ बहने वाली नदियों के पानी को रोक दिया था। ऑपरेशन सिंदूर के सालभर बाद भी भारत ने सिंधु से पानी को पाकिस्तान की तरफ बहाल को रोका हुआ है। रियासी जिले में ऑपरेशन सिंदूर के एक साल बाद भी, चिनाब नदी पर बने प्रमुख बांधों से पानी का नियंत्रित बहाव जारी है।

● पांच बड़े राज्यों में विपक्ष पस्त, एनडीए की पकड़ हुई मजबूत

2026 के चुनावी नतीजों से विपक्षी एकता को लगा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों के नतीजों की तस्वीर साफ होते ही भारत के राजनीतिक परिदृश्य में एनडीए का दबदबा दिखने लगा है। बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए ने छह बड़े राज्यों में से 5 में अपनी सरकार बना ली है। इन 6 राज्यों में कुल 278 लोकसभा सीटें हैं। जो संसद की कुल 543 सीटों में से आधे से ज्यादा हैं। वहीं, एनडीए गठबंधन अब पांच राज्यों में सत्ता में है, जिनकी कुल लोकसभा सीटें 239 हैं। राजनीतिक विशेषज्ञों की माने तो, जब से पीएम नरेंद्र मोदी ने 2014 में बीजेपी को पहली बार पूर्ण बहुमत दिलाया है, इन

राज्यों में बीजेपी की स्थिति इतनी मजबूत कभी नहीं रही, जितनी अब है; इन राज्यों में से तीन में बीजेपी के मुख्यमंत्री हैं।

संसद में भी बढ़ेगी एनडीए की मजबूती

यह सच है कि लोकसभा चुनाव एक बिल्कुल अलग तरह की लड़ाई होती है, और राज्यों में सत्ता में रहने वाली पार्टियां अक्सर संसदीय चुनावों में कमजोर प्रदर्शन करती हैं। 2024 के चुनावों में, उत्तर प्रदेश में सपा–कांग्रेस गठबंधन ने बीजेपी को दूसरे स्थान पर धकेल दिया था, जबकि कांग्रेस–शासित कर्नाटक में बीजेपी ने बाजी मारी थी। लेकिन, किसी भी बड़े राज्य में सत्ता में न होते हुए भी मौजूदा सत्ताधारी पार्टी को गद्दी से हटाना विपक्ष के लिए एक बेहद मुश्किल काम बन जाता है।

● डीजीपी बोले-पाक का हाथ, सीएम ने कहा-बीजेपी ने कराए

पंजाब में आर्मी कैंप–बीएसएफ हेडक्वार्टर के बाहर ब्लास्ट

जालंधर/अमृतसर (एजेंसी)। जालंधर में बीएसएफ हेडक्वार्टर के बाहर मंगलवार रात धमाका हुआ। इसमें इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस के इस्तेमाल की बात कही जा रही है। गनीमत रही कि धमाके में किसी को चोट नहीं लगी। इस ब्लास्ट का वीडियो भी सामने आया है। वहीं, अमृतसर में आर्मी कैंप के भीतर भी ग्रेनेड अटैक की कोशिश की गई, लेकिन वह दीवार पर टकराकर फट गया। डीजीपी गौरव यादव ने अमृतसर पहुंचकर मौके का जायजा लिया। उन्होंने माना कि जालंधर व अमृतसर में आईईडी ब्लास्ट हुए। कहा कि जालंधर में संभव है कि टाइमर या रिमोट से ब्लास्ट किया गया हो। इसमें पाकिस्तान खुफिया एजेंसियों का हाथ है। ऑपरेशन सिंदूर की एनिवर्सरी की वजह से धमाके कराए गए हो सकते हैं। वहीं, श्री आनंदपुर साहिब से

शुकराना यात्रा के दौरान पंजाब सीएम भगवंत मान ने कहा कि ये ब्लास्ट भाजपा के इलेक्शन की तैयारी हैं। भाजपा छोटे-मोटे ब्लास्ट करवाकर लोगों को डराकर वोट लेना चाहती है। यह भाजपा का स्टाइल है। चुनाव वाले स्टेट में ब्लास्ट और दंगे करवा दो। इसी बीच जालंधर एएपी लीडरशिप ने पुष्टि की है कि सीएम ने अपना जालंधर दौरा टाल दिया है। वह यहां शुकराना कार्यक्रम में शामिल होने वाले थे। धमाके के बाद चंडीगढ़ में हाई अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, जालंधर धमाके की जिम्मेदारी खालिस्तान लिबरेशन आर्मी ने एक पोस्ट शेयर कर ली। इसमें लिखा है कि डीआईजी संदीप गोयल और उनका परिवार टारगेट पर है। इतना खून बहाएंगे कि सब कुछ लाल दिखाई देगा। **जालंधर में ऐक्टिवा में हुआ ब्लास्ट–** जालंधर में चौक के पास रात 7.57 बजे एक स्कूटी के पास धमाका हुआ। पुलिस जांच में एक संदिग्ध चौक की ओर से रॉन्ग साइड से पैदल आता दिखा।

अमृतसर में आर्मी कैंप पर हमले से टीन शेड ढहा

करीब 3 घंटे बाद अमृतसर में आर्मी कैंप खासा के बाहर मंगलवार रात करीब 11 बजे ग्रेनेड अटैक हुआ। अमृतसर रूरल के एसपी सोहेल मीर कासिम के मुताबिक बाइक पर सवार 2 नकाबपोशों ने आर्मी कैंप की तरफ फेंका। दीवार के साथ लगते ही जोरदार धमाका हुआ। धमाके से चारदीवारी पर सेना एरिया को कवर करने के लिए लगाया गया टीन शेड ढह गया। गेट नंबर 6 और 7 के बीच की दीवार को भी थोड़ा नुकसान हुआ है। सीएम मान के बयान पर केंद्रीय राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा– रोजाना ब्लास्ट हो रहे हैं। ग्रेनेड फेंके जा रहे हैं। पंजाब के हालात बिगड़े हुए हैं। मुख्यमंत्री ने जो बयान दिया है कि बीजेपी ने ब्लास्ट करवाया है, वह वाहियात है। बिट्टू ने कहा कि बंगाल में केंद्रीय सुरक्षा बलों ने शांतिपूर्ण मतदान करवाया और बंगाल में एक पटाखा भी फूटने नहीं दिया। बिट्टू ने मुख्यमंत्री को चैलेंज किया– अगर हिम्मत है तो बीजेपी के नाम पर पर्चा दर्ज करवाओ। मेरे नाम पर करवाओ। कुछ तो शर्म होनी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली के जुड़ावनपुर में विवाहिता की मौत, मां बोली- पति,सास और ननद ने मारा, घटनास्थल सील

हाजीपुर। वैशाली के जुड़ावनपुर में एक 20 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। मृतका के मायके वालों ने पति और ससुराल के अन्य सदस्यों पर हत्या का आरोप लगाया है। सूचना मिलने पर बिदुपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान पूजा कुमारी (20) के रूप में हुई है। वह बिदुपुर के कंचनपुर निवासी शंकर साह की बेटी थीं। पूजा का विवाह लगभग 11 महीने पहले जुड़ावनपुर निवासी स्वर्गीय हरिचंद्र साह के बेटे अजीत कुमार से हुआ था। मायके वालों ने आरोप लगाया है कि पूजा की सास और ननद ने उसकी हत्या की है। मृतका के पति अजीत कुमार केरल में मजदूरी करते हैं और घटना के समय वहीं थे। घटना की सूचना मिलते ही बिदुपुर थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल को सील कर दिया है और आगे की जांच के लिए फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (FSL) की टीम को बुलाया गया है। FSL की टीम ने घटनास्थल से आवश्यक नमूने एकत्र कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर

पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया है। मृतका की मां ने आरोप लगाया है कि ससुराल के लोग, खासकर पति की मौसी, पूजा को प्रताड़ित करती थीं। उनका कहना है कि पूजा अपनी सास की सेवा नहीं करती थी, जिसके कारण सास और बहू के बीच विवाद होता रहता था। मां के अनुसार, हत्या के बाद शव को घर से ले जाकर गंगा नदी में ठिकाने लगाने की कोशिश की जा रही थी। इसी दौरान मायके वाले घटनास्थल पर पहुंच गए, जिसके बाद आरोपी शव को घर के बाहर छोड़कर फरार हो गए। घटना के बाद से ससुराल पक्ष के सभी सदस्य घर छोड़कर भाग गए हैं। बिदुपुर थाना अध्यक्ष रवि प्रकाश ने बताया कि परिजनों से लिखित आवेदन प्राप्त होते ही प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया गया है।

नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता प्रेग्नेंट, वीडियो वायरल की धमकी देकर ब्लैकमेल, एफआईआर के बाद भी पुलिस सुस्त

हाजीपुर। वैशाली के लालगंज में एक नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता गर्भवती हो गई है। घटना के महीनों बाद भी पीड़िता न्याय के लिए भटक रही है, जबकि पुलिस प्राथमिकी दर्ज होने के बावजूद अब तक आरोपियों को गिरफ्तार करने में नाकाम रही है। पीड़िता ने बताया कि यह घटना तब हुई जब पड़ोस की एक सहेली पूजा कुमारी जो रिश्ते में बुआ लगती थी, उसे अपने घर ले गई। सहेली ने बहाना बनाया कि वह घर में अकेली है और उसे डर लगता है, इसलिए पीड़िता रात में उसके साथ सोए। पीड़िता के मना करने पर सहेली ने उसके परिजनों को भी अपनी परेशानी बताकर भरोसे में लिया। पड़ोसी लड़की के घर पहुंचने के बाद, उसने बगल के दो लड़कों साहिल और वरुण कुमार को भी वहां बुला लिया। इसके बाद सभी ने मिलकर नाबालिग को दूध और पानी में कुछ नशीला पदार्थ पिलाकर सुला दिया। पीड़िता के अनुसार, अगली सुबह उठने पर उसे अपने कपड़े बिखरे मिले, जिससे उसे एहसास हुआ कि उसके साथ गलत हुआ है। इस घटना के बाद, पड़ोसी लड़की और दोनों लड़कों ने मिलकर नाबालिग को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। वे उसे बार-बार संबंध बनाने के लिए दबाव डालते थे और ऐसा न करने पर वीडियो वायरल करने की धमकी देते थे। डर के मारे पीड़िता ने किसी को कुछ नहीं बताया। हाल ही में, करीब एक-दो महीने पहले, पीड़िता के शरीर में कुछ बदलाव आने पर वह अपनी मां के साथ सदर अस्पताल पहुंची। जांच के दौरान पता चला कि वह गर्भवती है। परिजनों द्वारा पूछताछ करने पर उसने पूरी घटना बताई। सामाजिक स्तर पर न्याय न मिलने के बाद, पीड़ित परिवार ने लालगंज थाने में दोनों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। हालांकि, प्राथमिकी के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे पीड़ित पक्ष न्याय के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है। अभी तक दोनों आरोपी फरार चल रहा है।

60 लाख में तय होती थी नीट की एक सीट, मुजफ्फरपुर के 3 बदमाश समेत 4 अरेस्ट

मुजफ्फरपुर। NEET परीक्षा में सॉल्वर बैठाकर पास कराने वाले संगठित गिरोह के बदमाश अरेस्ट हुए है। इस मामले में पहले गिरफ्तार सरगनाओं की निशानदेही पर पुलिस ने मुजफ्फरपुर समेत कई जिलों में छापेमारी कर चार और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अब तक इस कांड में कुल 7 बदमाशों को पकड़कर जेल भेजा जा चुका है। 3 मई की रात पावापुरी थाना पुलिस ने गाड़ी चेकिंग के दौरान दो लग्जरी गाड़ियों (स्कॉर्पियो-N और ब्रेजा) से तीन सरगनाओं को गिरफ्तार किया था। इनमें मुख्य आरोपी विम्स मेडिकल कॉलेज का MBBS छात्र अवधेश कुमार है। उसके मोबाइल की जांच में कई अहम सुराग मिले, जिसके बाद पूरे नेटवर्क का खुलासा हुआ। जांच में सामने आया कि गिरोह NEET परीक्षा पास कराने के लिए एक अभ्यर्थी से 50 से 60 लाख रुपए तक वसूलता था। इसमें से 1.5 से 2 लाख रुपए एडवांस के तौर पर पहले ही ले लिए जाते थे। इसके बाद परीक्षा केंद्र पर असली कैंडिडेट की जगह सॉल्वर बैठाने की तैयारी की

जाती थी। सरगनाओं की निशानदेही पर पुलिस ने औरंगाबाद, जमुई और मुजफ्फरपुर समेत अलग-अलग जिलों में छापेमारी कर चार और आरोपियों को गिरफ्तार किया। ये सभी परीक्षा में सॉल्वर बैठाने वाले थे, लेकिन मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के कारण योजना पूरी नहीं हो सकी। पुलिस ने जिन चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, उनमें सीतामढ़ी के साउथ गेट, सदर अस्पताल क्षेत्र निवासी डॉ. नरेश कुमार दास के बेटे हर्षराज के साथ मुजफ्फरपुर के अहियापुर थाना क्षेत्र के शेखपुर निवासी मनोज कुमार (पिता- सुरेंद्र प्रसाद यादव) शामिल है। इसके अलावा बोचहां निवासी गौरव कुमार (पिता- अभिषेक रंजन) और हथौरी थाना क्षेत्र के बलुआ निवासी सुभाष कुमार (पिता- कुशेश्वर साह) अरेस्ट हुआ है। चारों को गिरफ्तार कर जेल में भेज दिया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि परीक्षा से पहले ही 1.5 से 2 लाख रुपए एडवांस सरगना को दिए जाते थे और पास कराने के लिए 50-60 लाख रुपए तक की डील फाइनल होती थी। इस गिरोह में उज्ज्वल राज उर्फ राजा बाबू, अवधेश कुमार और अमन कुमार सिंह मुख्य भूमिका में थे। गिरफ्तार आरोपियों को 5 मई को कोर्ट में पेश कर जेल में भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है और इस नेटवर्क से जुड़े और भी लोगों का खुलासा हो सकता है।

एक करोड़ की शराब बरामदःराजस्थान से लाई जा रही थी खेप, आलू की बोरी के नीचे थी 10 हजार लीटर शराब

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करजा थाना पुलिस ने विदेशी शराब की खेप बरामद की है। ट्रक में आलू की बोरी के नीचे छिपाकर लाई जा रही करीब 10 हजार 250 लीटर अवैध शराब को जब्त किया गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत एक करोड़ रुपए से अधिक आंकी जा रही है। सरैया एसडीपीओ गरिमा कुमारी ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि राजस्थान से बिहार शराब की एक बड़ी खेप करजा थाना क्षेत्र से गुजरने वाली है। सूचना मिलते ही एसएसपी कांतेश कुमार मिश्र के निर्देश पर विशेष टीम गठित कर इलाके में घेराबंदी की गई। जांच के दौरान एक संदिग्ध ट्रक को रोका गया। पहली नजर में ट्रक सामान्य मालवाहक गाड़ी लग रहा था, लेकिन सघन तलाशी के दौरान पुलिस की आंखें खुली रह गईं। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक आरोपी को मौके से गिरफ्तार किया है। उसके पास से 9 हजार रुपए नकद और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है। उसके मोबाइल के कॉल डिटेल रिकॉर्ड (CDR) को खंगाला जा रहा है, ताकि इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े मुख्य सरगनाओं तक पहुंचा जा सके। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि शराब की यह खेप किस स्थान तक पहुंचाई जानी थी।

पटना में पिस्टल सटाकर दंपती से लूटपाट, 2 आरोपी गिरफ्तार

बदमाशों से सोने की चेन बरामद, तीसरा आरोपी फरार, सीसीटीवी से खुला राज

एजेंसी, पटना

राजधानी में दिनदहाड़े दंपति से पिस्टल के बल पर लूट के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। वारदात को अंजाम देने वाले तीन बदमाशों में से दो को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि एक आरोपी अब भी फरार है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आदित्य राज और पप्पू के रूप में हुई है। इनके पास से लूटी गई सोने की चेन के कुछ टुकड़े भी बरामद किए गए हैं। पटना पुलिस जल्द ही इस मामले का पूरा खुलासा कर सकती है। सेंट्रल एसपी दीक्षा ने बताया, सबसे पहले राजीव नगर के रहने वाले पप्पू नाम के व्यक्ति को आईडेंटिफाई किया गया। इसके खिलाफ पहले से भी छपरा और पटना में लूट और चोरी के मामले दर्ज हैं। इस घटना में दानापुर के रहने वाले राजेश पाल ने लाइनर की भूमिका निभाई थी। संतोष दत्तू को ठाकुरबारी और आदित्य राज को दीघा से अरेस्ट किया गया है। एक ने सोना खरीदा था और दूसरे ने गला कर उसे आगे खपाने की तैयारी में था। इनके पास से लूटी गई चेन 40

ग्राम रिकवरी कर ली गई है। पप्पू और राजेश पाल का पूर्व के 4-5 आपराधिक घटनाओं में अपराधिक इतिहास पाया गया है। इस घटना में शामिल फरार चल रहे अन्य दूसरे अपराधी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

बंदूक के नोंक पर लूटपाटः घटना शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र के समनपुरा गली में हुई थी। जानकारी के अनुसार, दंपति बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान एक बाइक पर सवार तीन बदमाशों ने उन्हें बीच सड़क पर रोक लिया और पिस्टल सटाकर सोने की चेन छीन ली। जब दंपति ने विरोध किया, तो बदमाशों ने पिस्टल तान दिया और उनके साथ मारपीट की। फिर हथियार लहराकर मौके से फरार हो गए। पीड़ित दामोदरम केपी और अलया फतीमा पटना के हाई कॉलेज में नर्सिंग स्टाफ हैं। सुबह के वक्त पत्नी के साथ कॉलेज आ रहे थे। इसी बीच कॉलेज से चंद कदम की दूरी पर घटना को बदमाशों ने अंजाम दिया।

CCTV में कैद हुई पूरी घटना : यह पूरी वारदात इलाके में लगे CCTV कैमरे में कैद हो गई है। घटना के समय सड़क पर कई लोग मौजूद थे, लेकिन बदमाशों के हाथ में पिस्टल देखकर कोई भी बीच-बचाव के लिए आगे नहीं आया।

पुलिस जांच में जुटीः मामले में पटना सेंट्रल एसपी दीक्षा ने बताया कि, 'सुबह के समय समनपुरा इलाके में छिनतई की घटना सामने आई है। पीड़ित दंपति से बदमाशों ने लूटपाट की है। इस संबंध में FIR दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस आसपास लगे CCTV फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

पटना में तेज बारिश के साथ गिरे ओले, दोपहर में छाया अंधेरा

एजेंसी, पटना

बिहार में पिछले 5 दिन से मौसम बदला हुआ है। मौसम विभाग ने आज भी प्रदेश के 15 जिलों में आंधी-बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में बारिश के दौरान आकाशीय बिजली भी गिरने की आशंका है। इस बीच पटना में तेज बारिश शुरू हो गई है। कई इलाकों में ओले भी गिरे हैं। बारिश के दौरान यहां दोपहर में ही अंधेरा छा गया। किशनगंज, सुपौल, अररिया और खगड़िया में तेज बारिश हुई है। कई जिलों में काले बादल छाए हैं। पिछले 24 घंटे में प्रदेश में 89.7 MM बारिश रिकॉर्ड की गई, जो सामान्य से 182% अधिक है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में आंधी-बारिश की ये स्थिति 7 मई तक रहेगी। हालांकि, 8 मई के बाद मौसम साफ होने की संभावना है। इधर, पूर्णिया में आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों में पंच सदस्य सर्ववैली गांव निवासी मो. इकराम (50) और डहरिया निवासी सिमरन कुमारी (20) शामिल हैं। सुपौल में ठनका गिरने से एक महिला घायल हुई है।

♦ पूर्णिया में बिजली गिरने से 2 की मौत, 15 जिलों में ऑरेंज अलर्ट

बिहार में 89.7MM बारिश रिकॉर्डः बिहार में वास्तविक बारिश 89.7 MM दर्ज की गई है, जबकि सामान्य बारिश 31.8 MM होती है। राज्य में सामान्य से 182% अधिक बारिश दर्ज की गई है। वैशाली के हाजीपुर में 59.0 मिमी, बक्सर के सिमरी में 58.6 मिमी, डुमरांव में 58.2 मिमी, जहानाबाद के काको में 56.0 मिमी, बक्सर के इटाढ़ी में 55.2 मिमी, खगड़िया के बलतारा में 55.2 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। वहीं, नवादा के हिसुआ में 52.4 मिमी बारिश हुई। इसके अलावा अन्य जिलों में भी 40 से 50 मिमी के बीच बारिश हुई है।

अनंत सिंह पर एफआईआर, हथियारों संग समर्थकों ने किया था डांस

एजेंसी, पटना

गोपालगंज पुलिस ने मोकामा से JDU विधायक और बाहुबली अनंत सिंह पर FIR दर्ज की है। 3 दिन पहले अनंत सिंह गोपालगंज के मीरगंज में एक जनेऊ कार्यक्रम में पहुंचे थे। यहां उनके समर्थकों ने खुलेआम हथियार लहराए थे। इसी कार्यक्रम में अश्लील डांस भी हुआ था। अनंत सिंह डांस पर तालियां बजाते दिखाई दिए थे। हथियार लहराने और डांस का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाला गया था। इस पर पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए केस दर्ज किया है। मामले में पुलिस ने 9 नामजद समेत कई लोगों पर केस दर्ज किया है।

गोपालगंज में मामले को लेकर अनंत सिंह ने कहा, "हमने कोई कानून का उल्लंघन नहीं किया और न ही कोई गलत काम किया। जब वह वहां पहुंचे, उस समय कोई व्यक्ति राइफल लेकर नाच-गा रहा था, उससे उनका कोई लेना-देना

♦ जनेऊमें मुजरा देख रहे थे जेडीयू विधायक, बोले- मैंने कोई गलत काम नहीं किया

नहीं है। उनका कहना है कि उन्होंने किसी भी तरह का कानून नहीं तोड़ा।" उन्होंने कहा, "अगर कहीं जाने को लेकर कोई नियम है, तो यह स्थानीय SP की जिम्मेदारी होती है कि वह स्पष्ट आदेश जारी करे। यदि SP यह निर्देश दें कि उन्हें वहां नहीं जाना है, तो वह बिल्कुल नहीं जाएंगे।

पटना में चलती कार में नाबालिग से गैंगरेप

एजेंसी, पटना

पटना में चलती कार में एक 15 साल की लड़की से गैंगरेप हुआ है। 1 मई को अपराधियों ने लड़की को पटना जंक्शन से उठाया था। इसके बाद अलग-अलग जगहों पर 2 दिनों तक उसके साथ गैंगरेप किया गया। ज्यादा ब्लीडिंग होने पर अपराधी उसे दानापुर जंक्शन के पास छोड़कर भाग गए। लड़की का PMCH में इलाज चल रहा है। पुलिस ने इस मामले में 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। वारदात बेऊर थाना क्षेत्र के सरिस्ताबाद की है।

अपराधियों ने चलती कार में गैंगरेप कियाः लड़की मोतिहारी की रहने वाली है। वो परिवार के साथ विजयवाड़ा में रहती है। 1 मई को वो विजयवाड़ा से पटना जंक्शन पहुंची थी। वह 28 अप्रैल को वहां से अकेले ट्रेन से चली थी। ट्रेन से उतरने के बाद उसका मोबाइल चोरी हो गया। वो स्टेशन पर बैठकर रो रही थी। इसी बीच एक युवक उसे ऑटो से गांधी मैदान ले गया। फिर कार में पटना घुमाते हुए गैंगरेप किया। शाम को उसे सरिस्ताबाद ले गए। वहां तीनों युवकों ने उसे बंधक बनाकर रातभर सामूहिक दुष्कर्म किया। 2 मई को भी कार में घुमाते हुए दुष्कर्म किया गया। शाम को मुख्य आरोपी विकास उसे दानापुर स्टेशन के पास छोड़कर चला गया। कुछ देर बाद

विकास दोबारा स्टेशन पहुंचा यह देखने कि वह गई या नहीं। वहां वह नाबालिग को धमकाने लगा। यात्रियों ने विवाद देखकर दानापुर रेल पुलिस को सूचना दी, जिसने विकास को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपियों ने पूरी साजिश की फिर पीड़िता से बेरहमी कीः विकास ने पूरी साजिश के तहत अपने दोस्त अरविंद को कार लेकर गांधी मैदान बुलाया था। दोनों ने नाबालिग का मुंह बंद कर उसे जान से मारने की धमकी दी। शाम होते ही वे उसे सरिस्ताबाद के एक निर्माणाधीन मकान में ले गए। वहां निर्माण कार्य चल रहा था, लेकिन मजदूर जा चुके थे। मकान के एक कमरे में एक चौकी और बड़ा फ्रीजर रखा था। पहले तीनों ने उसे वहीं खाना खिलाया। इसके बाद रातभर में दो-तीन बार जबरन गैंगरेप किया। इस खौफनाक

❑ रेलवे स्टेशन से उठाया, 2 दिन तक दरिंदगी करते रहे, हेवी ब्लीडिंग होने पर छोड़कर भागे

दरिंदगी में पीड़िता के शरीर से काफी ब्लीडिंग होने लगी। वह दर्द से तड़पती और रोती रही, लेकिन दरिंदों को जरा भी तरस नहीं आया। उसे उसी हालत में स्टेशन छोड़ आए।

लोगों की सतर्कता से पकड़े गए दो आरोपीः 2 मई की शाम विकास ने नाबालिग को कार से दानापुर रेलवे स्टेशन के पास छोड़ दिया। वह स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर जाकर बैठ गई। विकास यह देखने के लिए स्टेशन के अंदर गया कि वह ट्रेन में बैठी या नहीं। वहां वह पीड़िता से दोबारा साथ चलने की जिद करने लगा। नाबालिग ने कड़ा विरोध किया। दोनों के बीच बहस देख रहे रेल यात्रियों ने दानापुर जीआरपी को सूचना दे दी। पुलिस ने तुरंत पहुंचकर विकास को दबोच लिया। विकास की निशानदेही पर ही पवन की गिरफ्तारी हो सकी। रेल SP अनंत कुमार राय ने बताया कि दानापुर GRP में गैंगरेप और पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज है। पुलिस ने पीड़िता को PMCH में भर्ती कराया, जहां उसका फर्द बयान दर्ज किया गया और इलाज चल रहा है।

पटना में बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या, उधार के रुपए मांगने गई थी पड़ोसी के घर

एजेंसी, पटना

पटना के जक्कनपुर थाना क्षेत्र के केपी सरकार रोड में बुजुर्ग की हत्या का आरोप लगा है। मृतका की पहचान सुधा देवी (72) के तौर पर हुई है। बेटी सरिता सिंह ने बताया कि मंगलवार को मेरी मां पड़ोस के रहने वाले विभा देवी और श्रवण को लगभग 12000 उधार के तौर पर दी थी। जब भी मेरी मां अकेले रुपए मांगने के लिए जाती थी तो वह बदसलूकी करता था। मैं साथ जाती थी तो डांट देता था। इस बार उसने 4 तारीख को रुपए वापस करने की डेट दी थी, लेकिन रुपए नहीं दिया। मेरी मां कल दोपहर लगभग 2:30 बजे मेरे घर से 100 मीटर दूर रुपए लेने उनके घर पुरंदरपुर देवी स्थान गई थी। वहां जाने के 2 ढाई घंटे के बाद मेरे घर पर आकर विभा देवी ने

मेरे बेटे को बताया कि मां सीढ़ी से गिर गई है।

तब तक वह ढाई घंटे इधर-उधर मेरी मां को घूमाती रही। घटना के बाद सबसे पहले एक निजी नर्सिंग होम में लेकर गए वहां से गर्दनीबाग लेकर गए। जब वहां से डॉक्टर ने पीएमसीएच रेफर कर दिया तब जानकारी दी। मुझे आशंका है कि उन लोगों ने वहां पर मारपीट की, जिसमें मेरी मां की मौत हो गई है।

PMCH में बेटी ने दिया

❑ कहा- महिला सीढ़ी से गिर गई है, एफएसएल जांच करने पहुंची

पुलिस के सामने स्टेटमेंटः बेटी ने पीएमसीएच में TOP पदाधिकारी के सामने अपना स्टेटमेंट रिकॉर्ड कराया। इसके बाद घटना की जानकारी लेने मच जक्कनपुर थाने के एडिशनल एसएचओ मनीष कुमार पहुंचे थे। उन्होंने परिजनों से बातचीत की और घटना की जानकारी ली।

फॉरेंसिक टीम बुलाई गईः परिजनों के स्टेटमेंट के बाद आज पुरंदरपुर स्थित श्रवण और विभा देवी के घर पर फॉरेंसिक की टीम जांच के लिए पहुंची थी। वहां से सैंपल लिए गए हैं। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की छानबीन कर रही है।

फतुहा में श्रुति श्री निर्विरोध प्रखंड प्रमुख बनीं, अनुमंडल कार्यालय में हुआ चुनाव

एजेंसी, पटना

पटना के फतुहा प्रखंड की राजनीति में आखिरकार बड़ा उलटफेर पूरा हुआ। बुधवार को पटना सिटी अनुमंडल कार्यालय में कड़ी सुरक्षा और निर्वाचन आयोग के निर्देशों के बीच हुए चुनाव में श्रुति श्री को निर्विरोध प्रखंड प्रमुख चुन लिया गया। अविश्वास प्रस्ताव के बाद खाली हुई इस कुर्सी पर अब श्रुति श्री का कब्जा हो गया है। बता दें कि इस सियासी बदलाव की पटकथा 23 मार्च को ही लिख दी गई थी, जब तत्कालीन प्रमुख रजनीश कुमार के खिलाफ सदस्यों ने मोर्चा खोलते हुए अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था। 1 अप्रैल को हुई वोटिंग में 18 में से 12 सदस्यों ने उनके खिलाफ मत देकर उन्हें पदमुक्त कर दिया था। इसी क्रम में आज एसडीओ सत्यम

सहाय की मौजूदगी में नए प्रमुख का चयन किया गया।

आज के चुनाव में प्रखंड के कुल 18 पंचायत समिति सदस्यों में से 11 सदस्य श्रुति श्री के समर्थन में अनुमंडल कार्यालय पहुंचे। कोरम और बहुमत के आधार पर निर्वाचन अधिकारी ने उन्हें विजेता घोषित कर प्रमाण पत्र सौंपा।

7 सदस्य इस चुनावी प्रक्रिया से पूरी तरह नदारद रहेः दिलचस्प बात यह रही कि विपक्षी खेमे के 7 सदस्य इस चुनावी प्रक्रिया से पूरी तरह नदारद रहे, जिससे श्रुति श्री की राह आसान हो गई। प्रमाण पत्र प्राप्त करने के बाद नवनिर्वाचित प्रमुख ने अपनी जीत का श्रेय अपने कार्यों और सदस्यों के भरोसे को दिया। उन्होंने पूर्व नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता पूर्व की कार्यशैली से असंतुष्ट थी और बदलाव चाहती थी।

उन्होंने आगे कहा कि सरकारी योजनाओं को बिना देरी के धरातल पर उतारा जाएगा। आम लोगों की बुनियादी दिक्कतों को दूर करना ही उनका मुख्य लक्ष्य है। प्रखंड के सर्वांगीण विकास के लिए सभी सदस्यों को साथ लेकर काम करेंगी। वहीं फतुहा प्रखंड कार्यालय में जीत का जश्न मनाया गया। फतुहा पहुंचते ही लोगों ने प्रखंड प्रमुख श्रुति श्री को माल्यार्पण व गुलदस्ता देकर भव्य स्वागत किया।

आईआरसीटीसी घोटाला मामले में फैसला टला, 22 मई को फैसला सुनाएगी कोर्ट

एजेंसी, पटना

IRCTC घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में आज दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में फैसला टल गया है। कोर्ट ये फैसला अब 22 मई को फैसला सुनाएगी। अदालत ने पहले ही आरोप तय करने की प्रक्रिया पूरी कर ली थी और अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। ED ने लालू यादव परिवार के खिलाफ चार्जशीट दायर की थी। चार्जशीट में लालू प्रसाद यादव समेत राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई का रास्ता साफ हो सकता है। बताया जा रहा कि लालू परिवार ने निचली अदालत के अक्टूबर 2025 के उस आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप तय किए गए थे। वहीं, केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने इस याचिका का विरोध करते हुए अदालत में कहा कि उनके पास मामले से जुड़े पर्याप्त और पुख्ता सबूत मौजूद हैं।

CBI का दावा है कि जांच के दौरान कई अहम दस्तावेज और साक्ष्य सामने आए हैं, जो आरोपों को मजबूत करते हैं। यह मामला उस समय का है जब लालू प्रसाद यादव केंद्र सरकार में रेल मंत्री थे। आरोप है कि उनके कार्यकाल के दौरान IRCTC के तहत आने वाले रांची और पुरी स्थित दो होटलों के टेंडर में अनियमितताएं की गईं। जांच एजेंसियों के अनुसार, इन होटलों और उनसे जुड़ी जमीनों को निजी कंपनियों को नियमों की अनदेखी करते हुए पट्टे पर दिया गया। इस प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव था और इससे कुछ निजी कंपनियों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया।

सुपौल अवर निबंधक अमरेन्द्र कुमार पर ईओयू का एक्शन, पटना समेत 4 ठिकानों पर छापेमारी

एजेंसी, पटना

आर्थिक अपराध इकाई (EOU) ने बुधवार सुबह सुपौल के जिला अवर निबंधक अमरेन्द्र कुमार के पटना सहित 4 ठिकानों पर छापेमारी की है। अमरेन्द्र कुमार पर आय से लगभग 65.08 प्रतिशत अधिक संपत्ति जमा करने का आरोप है। ईओयू सूत्रों के मुताबिक, अमरेन्द्र कुमार के खिलाफ सत्यापन के बाद आर्थिक अपराध इकाई थाना कांड संख्या-06/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी। प्रारंभिक जांच में पाया गया कि अमरेन्द्र कुमार ने अपनी वैध आय से लगभग 1 करोड़ 10 लाख 64 हजार रुपए अधिक संपत्ति अर्जित की है।

पटना सहित 4 ठिकानों पर छापेमारी जारीः माननीय विशेष न्यायालय निगरानी, पटना से तलाशी वारंट मिलने के बाद, ईओयू ने बुधवार सुबह एक साथ चार अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी शुरू की। इस कार्रवाई का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक स्तर के अधिकारी

कर रहे हैं। जिन स्थानों पर छापेमारी की जा रही है, उनमें पटना के दीघा आशियाना रोड स्थित राज अपार्टमेंट के फ्लैट संख्या- 305, सारण (छपरा) स्थित पैतृक आवास, सुपौल स्थित उनका कार्यालय और किराये का घर भी शामिल है।

EOU के आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, जांच में यह जानकारी मिली है कि अमरेंद्र कुमार ने पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी के पास बागडोगरा इलाके में एक बड़ा जमीन खरीद रखा है। यह जमीन दार्जिलिंग व्यू सोसाइटी में स्थित है, जहां उन्होंने करीब 30 से 35 कट्ठा भूमि अपने नाम पर ली है। इस संपत्ति की अनुमानित कीमत करीब पांच करोड़ रुपये बताई जा रही है। EOU को मिले दस्तावेजों और प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि इस जमीन की घेराबंदी पर ही लगभग एक करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। खास बात यह है कि जमीन को साधारण तरीके से नहीं, बल्कि किलानुमा संरचना बनाकर सुरक्षित किया गया है, जिससे इसकी भव्यता और निवेश की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। जांच एजेंसी अब इस बात की पड़ताल कर रही है कि इतनी बड़ी राशि का निवेश किन स्रोतों से किया गया और क्या इसमें अवैध आय का उपयोग हुआ है। साथ ही जमीन खरीद से जुड़े दस्तावेजों और लेन-देन के विवरण को भी खंगाला जा रहा है। EOU के मुताबिक, छापेमारी के दौरान मिले इस साक्ष्य से जांच को नई दिशा मिली है। अधिकारियों का दावा हैं कि छापेमारी के बाद और भी चौंकाने वाले खुलासे हो सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

मीना बाजार में व्यवसाई से दुर्व्यवहार पर चैंबर सख्त, एसपी से मिलकर सौंपी शिकायत

बीएनएम @ मोतिहारी। मोतिहारी चैंबर ऑफ कॉमर्स के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात से मुलाकात कर शहर के मेन रोड स्थित मीना बाजार में हुई एक घटना के संबंध में लिखित आवेदन सौंपा। आवेदन में बताया गया कि कल एक अवैध ठेला-खोमचा लगाने वाले व्यक्ति ने वहां के एक व्यवसाई के साथ दुर्व्यवहार किया।प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक श्री प्रभात को घटना की विस्तृत जानकारी देते हुए स्थानीय व्यवसायियों को हो रही परेशानियों से अवगत कराया और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। इस पर पुलिस अधीक्षक ने मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में चैंबर के महासचिव आलोक कुमार, उपाध्यक्ष सुधीर गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल, रवि कृष्ण लोहिया एवं बीरेंद्र जालान शामिल थे। चैंबर ऑफ कॉमर्स ने प्रशासन से अपेक्षा जताई है कि व्यवसायियों की सुरक्षा और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जल्द ही ठोस कदम उठाए जाएंगे। यह जानकारी महासचिव -सह- मीडिया प्रभारी आलोक कुमार ने दी।

रिश्वतखोरी मामले में जिला योजना पदाधिकारी दोषी करार, पांच वर्ष की सजा

बीएनएम @ मुजफ्फरपुर। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो में दर्ज भ्रष्टाचार के एक मामले में माननीय न्यायालय ने जिला योजना पदाधिकारी ओम प्रकाश को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। मंगलवार को निगरानी न्यायालय, मुजफ्फरपुर के माननीय न्यायाधीश श्री दशरथ मिश्रा ने निगरानी थाना कांड संख्या-52/2016 (विशेष वाद संख्या-25/2016) में फैसला सुनाते हुए अभियुक्त ओम प्रकाश को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7 एवं धारा 13(2) सह पठित धारा 13(1)(डी) के तहत दोषी पाया। मामला खगड़िया जिले के बबुआगंज निवासी परिवादी दीपक कुमार पालड़ीवाल द्वारा दर्ज कराया गया था। आरोप था कि एकीकृत कार्य योजना के तहत आपूर्ति किए गए डेस्क-बेंच के भुगतान के एवज में ओम प्रकाश ने दो लाख रुपये रिश्वत की मांग की थी। शिकायत के सत्यापन के बाद निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने 13 मई 2016 को ओम प्रकाश को दो लाख रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। मामले के अनुसंधानकर्ता तत्कालीन पुलिस उपाधीक्षक मुन्ना प्रसाद ने समय पर आरोप-पत्र दाखिल किया। वहीं बिहार सरकार की ओर से विशेष लोक अभियोजक कृष्ण देव साह ने प्रभावी पैरवी कर दोष सिद्ध कराया। न्यायालय ने धारा 7 के तहत तीन वर्ष सश्रम कारावास एवं 10 हजार रुपये अर्थदंड तथा धारा 13(2) सह पठित धारा 13(1)(डी) के तहत पांच वर्ष सश्रम कारावास एवं 10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड नहीं जमा करने पर दो महीने अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा। दोनों सजाएं साथ-साथ चलेंगी। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2026 में अब तक भ्रष्टाचार के आठ मामलों में न्यायालय द्वारा सजा सुनाई जा चुकी है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में वाहन चालान राशि में मिलेगी राहत

- **गोपालगंज पुलिस ने वाहन मालिकों से समय पर लाभ उठाने की अपील की**

बीएनएम @ गोपालगंज। गोपालगंज पुलिस ने राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से लंबित वाहन चालान मामलों के निष्पादन को लेकर आम नागरिकों एवं वाहन मालिकों के लिए महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 9 मई 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में पुराने लंबित वाहन चालानों के निपटारे में चालान राशि में विशेष रियायत दी जाएगी। जारी सूचना के मुताबिक, वर्ष 2023 से लेकर 31 जनवरी 2026 तक के लंबित वाहन सम्मन (चालान) मामलों का निष्पादन राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से किया जाएगा। हालांकि यह सुविधा वाणिज्यिक (कमर्शियल) वाहनों को छोड़कर अन्य सभी वाहनों के लिए लागू होगी। गोपालगंज पुलिस ने बताया कि जिन वाहन मालिकों के वाहनों पर उक्त अवधि के दौरान चालान किया गया है, वे यातायात थाना, गोपालगंज पहुंचकर निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन जमा करें और अपनी लंबित सम्मन राशि का निपटारा कराएं। इसके लिए प्रक्रिया 6 मई 2026 से शुरू कर दी गई है तथा संबंधित लोगों को टोकन भी जारी किए जा रहे हैं। पुलिस प्रशासन ने वाहन मालिकों से अपील की है कि वे राष्ट्रीय लोक अदालत के इस अवसर का लाभ उठाकर कम राशि में अपने लंबित चालानों का निष्पादन करा लें। साथ ही समय पर उपस्थित होकर प्रक्रिया पूरी करने को कहा गया है। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए गोपालगंज पुलिस हेल्पलाइन नंबर 9031827299 जारी किया गया है।

संग्रामपुर में पुलिस की छापेमारीः 129 लीटर विदेशी शराब बरामद, तस्कर फरार

बीएनएम @ अरेराज। बपुलिस ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मंगलापुर गांव में छापेमारी कर भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की है। यह कार्रवाई थानाध्यक्ष अनूप कुमार के निर्देश पर गुप्त सूचना के आधार पर की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस टीम ने मंगलापुर गांव में छापेमारी के दौरान करीब 129 लीटर विदेशी शराब जब्त की। हालांकि छापेमारी की भनक लगते ही तस्कर मौके से फरार हो गया। पुलिस द्वारा बरामद शराब को जब्त कर लिया गया है और फरार तस्कर की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। इस संबंध में थानाध्यक्ष ने बताया कि अवैध शराब के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और इसमें संलिप्त लोगों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

भारी मात्रा में विदेशी शराब और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद, पुलिस की छापेमारी जारी

बीएनएम @ अरेराज। पुलिस ने अवैध शराब और आपराधिक गतिविधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी सफलता अर्जित की है। थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक चिन्हित स्थान पर योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी की, जहाँ से भारी मात्रा में विदेशी शराब के साथ चोरी की एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से '8 PM फ्रूटी' ब्रांड की कुल 47 पीस विदेशी शराब जब्त की है, जिसकी कुल मात्रा 8.46 लीटर मापी गई है। शराब की इस खेप के साथ बरामद मोटरसाइकिल के दस्तावेजों की जब तकनीकी जांच की गई, तो यह स्पष्ट हुआ कि उक्त वाहन वर्ष 2019 में बंजरिया क्षेत्र से चोरी किया गया था। इस चोरी की घटना के संबंध में तुरकौलिया थाने में कांड संख्या 143/19 पहले से ही दर्ज है। फिलहाल पुलिस ने इस पूरे मामले में संलिप्त अभियुक्तों की पहचान सुनिश्चित कर ली है और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर सघन छापेमारी की जा रही है। पुलिस द्वारा मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है और इस मुस्तैद कार्रवाई से क्षेत्र के अपराधियों में हड़कंप व्याप्त है।

कलश यात्रा के दौरान दो समुदायों में झड़प, 20 गिरफ्तार; इलाके में बढ़ाई गई चौकसी

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के पचपकड़ी थाना क्षेत्र में कलश यात्रा के दौरान दो समुदायों के बीच हुई झड़प मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 20 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में 16 पुरुष एवं 4 महिलाएं शामिल हैं। घटना के बाद क्षेत्र में पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है और लगातार गश्ती की जा रही है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 4 मई 2026 को पचपकड़ी थाना क्षेत्र के भंडार गांव से कलश यात्रा निकाली गई थी। यात्रा जैसे ही गांव स्थित मस्जिद के समीप पहुंची, डीजे बजाने को लेकर दो समुदायों के बीच विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते मामला झड़प में बदल गया और इलाके में तनाव फैल गया। सूचना मिलते ही वरीय पुलिस पदाधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। इसके बाद पचपकड़ी थाना कांड संख्या-78/26 दर्ज कर छापेमारी अभियान चलाया गया, जिसमें 20 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपितों में मंजर आलम, मो. साबिर, मुन्नीलाल अहमद, मो. अनस अली, जलालुद्दीन, फजलुर रहमान, अख्तर अहमद, नबी आलम, नासिर आलम, मो. आफाक आलम, रामप्रवेश साह, दीपक कुमार, विजय कुमार, सुरेश साह, महेश प्रसाद एवं राजेश कुमार उर्फ टिको शामिल हैं। इसके अलावा चार महिला अभियुक्तों को भी गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई में सिकरहना के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी उदय शंकर, ढाका अंचल के पुलिस निरीक्षक विनय कुमार निर्दोष, चिरैया के पुलिस निरीक्षक राजेंद्र प्रसाद, ढाका के पुलिस निरीक्षक राजेश राय, पचपकड़ी थानाध्यक्ष उत्तम कुमार, चिरैया थानाध्यक्ष महेश कुमार, शिकारगंज थानाध्यक्ष गोपाल मिश्रा, घोड़ासहन थानाध्यक्ष अरविंद कुमार, कुंडवाचैनपुर थानाध्यक्ष राहुल कुमार तथा सुजीत कुमार शामिल रहे। कार्रवाई में सशस्त्र बल को भी लगाया गया था। पुलिस प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों से बचने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

भारत-नेपाल सीमा पर पशु तस्करी नाकाम, 04 मवेशी बरामद

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। सशस्त्र सीमा बल की 71वीं वाहिनी के जवानों ने सोमवार को भारत-नेपाल सीमा स्थित बाह्य सीमा चौकी घोड़ासन क्षेत्र में गश्ती के दौरान पशु तस्करी के प्रयास को विफल कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शाम करीब 5:25 बजे गश्ती दल ने नेपाल की ओर से कुछ संदिग्ध व्यक्तियों को मवेशियों के साथ भारतीय सीमा में प्रवेश करते देखा। जवानों ने तत्काल उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन सीमा निकट होने का फायदा उठाकर सभी तस्कर वापस नेपाल की ओर भाग निकले। घटनास्थल की तलाशी के दौरान कुल 04 मवेशी बरामद किए गए, जिनमें 03 गाय और 01 बछड़ा शामिल हैं। बरामद मवेशियों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए अदापुर थाना को सुपुर्द कर दिया गया है। प्रशासन द्वारा मामले की जांच जारी है। साथ ही सीमा क्षेत्र में सतर्कता बढ़ाते हुए निगरानी और कड़ी कर दी गई है।

मोतिहारी में "सितारा सप्ताह" का आयोजन, ट्रांसजेंडर समुदाय के सशक्तिकरण पर जोर

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिले में ट्रांसजेंडर समुदाय के सामाजिक, आर्थिक एवं कानूनी सशक्तिकरण के उद्देश्य से जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के निर्देश पर जिला बाल संरक्षण इकाई, पूर्वी चंपारण द्वारा "सितारा सप्ताह" का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, मुख्यधारा से जोड़ना तथा सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना रहा। कार्यक्रम के तहत जागरूकता सत्र, परामर्श शिविर और संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव नितिन त्रिपाठी ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को उनके संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों की जानकारी देते हुए निःशुल्क विधिक सहायता से जुड़े प्रावधानों पर प्रकाश डाला। वहीं, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा कर लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। वहीं सहायक निदेशक, बाल संरक्षण इकाई अक्षय कुमार ने संरक्षण एवं पुनर्वास योजनाओं की जानकारी दी, जबकि जिला नियोजन पदाधिकारी ने कौशल विकास एवं रोजगार के अवसरों पर विस्तार से चर्चा की, ताकि समुदाय आत्मनिर्भर बन सके। कार्यक्रम के दौरान ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों की समस्याएं एवं सुझाव सुने गए, जिनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों ने आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस अवसर पर अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) मो. सिबगतुल्लाह, जिला नियोजन पदाधिकारी अंकित कुमार सहित बड़ी संख्या में ट्रांसजेंडर उपस्थित रहे। अंत में सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ ट्रांसजेंडर समुदाय के कल्याण हेतु संचालित योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

डीसीएलआर कार्यालय चकिया का डीएम ने किया निरीक्षण

» **अभिलेख व न्यायालयी कार्य मिले संतोषजनक, लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश**

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने बुधवार को चकिया स्थित डीसीएलआर कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्यालय के अभिलेखों, न्यायालयी कार्यों एवं विभिन्न पंजियों की गहन जांच की गई। समस्त अभिलेख नियमानुसार एवं संतोषप्रद पाए गए। निरीक्षण के समय अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी चकिया सहित अनुमंडल स्तरीय अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने आगत एवं निर्गत पंजी, अनुक्रमणिका पंजी समेत अन्य अभिलेखों की विस्तार से जांच की। जांच के दौरान सभी पंजियां विधिवत संधारित मिलीं। सहायकों की कार्य पुस्तिका अद्यतन पाई गई, जबकि कैश बुक 2 मई 2026 तक नियमित रूप से अपडेट थी। सभी संचिकाएं भी जांच में संतोषजनक पाई गईं। निरीक्षण के क्रम में भूमि सुधार उप समाहर्ता, चकिया न्यायालय द्वारा पारित आदेशों का भी अवलोकन किया गया। जिलाधिकारी ने भूमि विवाद निराकरण वाद, दाखिल-खारिज अपील वाद तथा लगान निर्धारण से संबंधित प्रक्रियाधीन अभिलेखों की भी समीक्षा की। समीक्षा के दौरान पाया गया कि दिसंबर 2025 से पूर्व के सभी वादों का निष्पादन कर लिया गया है तथा वर्तमान में लंबित मामले निर्धारित समय-सीमा के भीतर हैं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शेष प्रक्रियाधीन मामलों का भी शीघ्र एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए।

गुपचुप तरीके से शादी रचा रहे युवक के जयमाला स्टेज पर पहुंची प्रेमिका, रुकी शादी

» **दूल्हा और बाराती बने बंधक, हंगामे के बाद बैरंग लौटी बारात**

बीएनएम @ मोतिहारी/हरसिद्धि

मोतिहारी/हरसिद्धि। पूर्वी चंपारण जिले के हरसिद्धि थाना क्षेत्र अंतर्गत रूपडीह पंचायत में बुधवार की रात एक शादी समारोह उस वक्त हाई वोल्टेज ड्रामा में बदल गया, जब जयमाला से ठीक पहले दूल्हे की कथित प्रेमिका अपने छोटे बच्चे और पुलिस के साथ विवाह स्थल पर पहुंच गई। युवती ने दूल्हे पर शादी का झांसा देकर दो वर्षों तक यौन शोषण करने का आरोप लगाया, जिसके बाद पूरे मंडप में अफरा-तफरी मच गई और शादी रुक गई। जानकारी के अनुसार, वार्ड संख्या-5 निवासी मुन्ना पांडेय की पुत्री की शादी पहाड़पुर थाना क्षेत्र के बलुआ वृत्ति टोला निवासी सुरेंद्र पांडेय के पुत्र विवेक कुमार उर्फ विशाल कुमार से तय हुई थी। निर्धारित समय पर बारात धूमधाम से रूपडीह पहुंची थी और जयमाला की तैयारी चल रही थी। इसी बीच असम की रहने वाली एक युवती अचानक पुलिस के साथ विवाह स्थल पर पहुंच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, युवती सीधे जयमाला स्टेज पर पहुंची और दूल्हे को सबके सामने घेर लिया। उसने दावा किया कि गुरुग्राम में दोनों के बीच प्रेम संबंध बना था। आरोपी युवक वहां स्कूल संचालित करता था। युवती ने आरोप लगाया कि शादी का भरोसा देकर उसके साथ लंबे समय तक शारीरिक संबंध बनाए गए। इतना ही नहीं, उसने मंदिर में शादी होने और दोनों के एक बच्चे होने का भी दावा किया। युवती ने बताया कि कुछ समय पहले युवक अचानक उसे छोड़कर गांव लौट आया और दूसरी शादी की तैयारी करने लगा। इसकी जानकारी मिलने के बाद उसने गुरुग्राम थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। बाद में वह अपने बच्चे के साथ मोतिहारी पहुंची और न्याय की गुहार लगाई। जब तत्काल कार्रवाई नहीं हुई तो उसने डायल-112 पुलिस की मदद लेकर सीधे शादी स्थल का रुख किया। प्रेमिका के खुलासे के बाद माहौल पूरी तरह बदल गया। दुल्हन पक्ष ने तुरंत शादी से इंकार कर दिया। लड़की पक्ष के लोगों ने आरोप लगाया कि लड़के वालों ने सच्चाई छिपाकर रिश्ता तय किया था। इसके बाद गुस्साए लोगों ने दूल्हा, उसके पिता और कुछ बारातियों को बंधक बना लिया। शादी समारोह में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई और कई बाराती मौके से खिसक गए। लड़की पक्ष ने शादी की तैयारियों में हुए खर्च की भरपाई की मांग की। काफी देर तक चले हंगामे, पंचायत और बातचीत के बाद आखिरकार बिना शादी के ही बारात वापस लौट गई। इधर, पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। दोनों पक्षों से पूछताछ की जा रही है और युवती द्वारा लगाए गए आरोपों की सत्यता की जांच की जा रही है। घटना इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है।

19 मई को लगने वाले सहयोग शिविर का डीएम ने लिया जायजा

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के तुरकौलिया प्रखंड अंतर्गत 19 मई को आयोजित होने वाले "सहयोग शिविर" की तैयारियों का बुधवार को जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं सदर एसडीएम निशांत सिहारा ने जायजा लिया। डीएम और एसडीएम ने जयसिंहपुर पूर्वी एवं जयसिंहपुर दक्षिणी पंचायत भवन पहुंचकर शिविर स्थल का निरीक्षण किया तथा तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान अधिकारियों ने आम लोगों की सुविधा, आवेदन पंजीकरण, विभागीय समन्वय एवं सेवा समाधान पोर्टल पर मामलों के अपलोड को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने प्रखंड स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि सहयोग शिविर में आने वाले लोगों की समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी समाधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि लाभुकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। मौके पर बीडीओ संतोष राज, सीओ संतोष कुमार, प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

छतौनी ओवरब्रिज निर्माण में तेजी के निर्देश, डीएम ने दोबारा किया निरीक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। नगर के निर्माणाधीन छतौनी ओवरब्रिज का जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल द्वारा बुधवार को पुनः निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी श्री जोरवाल ने पदाधिकारियों की टीम के साथ छतौनी पहुंचकर ओवरब्रिज के निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उल्लेखनीय है कि जिलाधिकारी इससे पूर्व 29 अप्रैल को भी इस महत्वपूर्ण ओवरब्रिज परियोजना का निरीक्षण कर चुके हैं और कार्यकारी एजेंसी को आवश्यक निर्देश दिए थे। बुधवार को एक बार फिर स्थल पर पहुंचकर उन्होंने कार्य की स्थिति की समीक्षा की तथा निर्माण कार्य में और तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि परियोजना को समय पर पूरा किया जा सके।

मेहसी में गूंजेगा लीचीपुरम उत्सव का रंग, आगामी 30 व 31 मई को होगा भव्य आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला के मेहसी की सांस्कृतिक पहचान बन चुका लीचीपुरम उत्सव इस वर्ष और भी भव्य और आकर्षक रूप में आयोजित किया जाएगा। इसी को लेकर मोहब्बत छपरा स्थित समिति अध्यक्ष अरविंद कुमार गुप्ता के आवास पर लीचीपुरम उत्सव समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को संपन्न हुई। उक्त बैठक की अध्यक्षता सत्यदेव राय आर्य ने की, जबकि संचालन महासचिव सुदिष्ट नारायण ठाकुर ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 18वां लीचीपुरम उत्सव 30 और 31 मई को ऐतिहासिक तिरहुत उच्च विद्यालय, मेहसी के प्रांगण में दो दिवसीय महाआयोजन के रूप में आयोजित होगा। इस बार उत्सव में पारंपरिक सांस्कृतिक रंगों के साथ आधुनिक आकर्षण का भी समावेश किया जाएगा। समिति के अनुसार, कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ-साथ क्षेत्रीय कला, स्थानीय उत्पादों और सामाजिक सहभागिता को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। आयोजन को भव्य बनाने के लिए स्थानीय सांसद, विधायक, मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केन्द्र, मुशहरी और राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्र, पीपरा कोठी के निदेशकों को भी आमंत्रित किया जा रहा है। जिला प्रशासन के अधिकारी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। बैठक में आयोजन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न उप-समितियों का गठन किया गया और जिम्मेदारियों का बंटवारा किया गया। सभी सदस्यों से सक्रिय सहयोग की अपील की गई। अध्यक्ष सत्यदेव राय आर्य ने कहा कि लीचीपुरम उत्सव अब मेहसी की राष्ट्रीय पहचान बन चुका है और इसे नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का प्रयास जारी रहेगा। वहीं महासचिव सुदिष्ट नारायण ठाकुर ने इस बार के आयोजन को हर दृष्टि से यादगार बनाने का लक्ष्य बताया। अध्यक्ष अरविंद कुमार गुप्ता ने बताया कि विधायक श्याम बाबू प्रसाद यादव से मंत्रियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने का आग्रह किया गया है। बैठक में सुधीर कुमार सिन्हा, शफी अहमद खान, हामिद रजा, मनोज मिली, मनोज कुमार, डॉ. मनोज कुमार, उमेश शर्मा, चुलबुल ठाकुर, पप्पू यादव सहित अन्य सदस्यों ने भाग लेकर अपने सुझाव दिए।समिति को विश्वास है कि इस बार का लीचीपुरम उत्सव मेहसी को सांस्कृतिक मानचित्र पर और अधिक मजबूती से स्थापित करेगा और स्थानीय लोगों के लिए गर्व का अवसर बनेगा।

संक्षिप्त समाचार

निमी स्कूल में बनेगा 'ओपन जिमःडीएम

निर्माणाधीन खेल भवन और ऑडिटोरियम का औचक निरीक्षण

बीएनएम @ शेखपुराः शेखपुरा के जिला पदाधिकारी शेखर आनंद ने जिले में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं का औचक निरीक्षण किया और स्पष्ट संदेश दिया कि विकास कार्यों की गुणवत्ता और समयसीमा से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसी क्रम में वे बिहार राज्य भवन निर्माण लिमिटेड द्वारा गिरिहिंडा में निर्माणाधीन 'खेल भवन-सह-व्यायामशाला' पहुंचे। वहां उन्होंने निर्माण कार्य का बारीकी से अवलोकन करते हुए कार्यपालक अभियंता को उच्च श्रेणी की सामग्रियों का उपयोग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके उपरांत, उन्होंने निर्माणाधीन ऑडिटोरियम के कार्यों की समीक्षा की और चेतावनी दी कि लापरवाही या समयसीमा के उल्लंघन पर संबंधित संवेदकों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, निमी भी पहुंचे, जहाँ उन्होंने स्कूल परिसर के सौंदर्यीकरण और बेहतर कैंपस निर्माण के निर्देश दिए। बच्चों के स्वास्थ्य और मनोरंजन के लिए उन्होंने स्कूल में एक ओपन जिम बनवाने का आदेश दिया। पठन-पाठन की स्थिति का जायजा लेते हुए उन्होंने शिक्षकों और छात्रों से सीधा संवाद किया और शिक्षा विभाग के अधिकारियों को सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ससमय छात्रों तक पहुँचाने का निर्देश दिया। इस अवसर पर जिला खेल पदाधिकारी, भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता और डीएम स्टेनो रवि कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। जिलाधिकारी ने सभी प्रोजेक्ट्स को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण करने का कड़ा निर्देश दिया।

लंबित मांगों को लेकर कर्मचारियों ने सरकार को घेरा

पूर्व प्राचार्य डॉ. दिवाकर ने दिया हड़ताल को समर्थन

बीएनएम @ शेखपुराः शेखपुरा के रामाधीन महाविद्यालय में बिहार राज्य विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर आयोजित दो दिवसीय कलमबंद हड़ताल का पहला दिन बुधवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस दौरान महाविद्यालय के शिक्षेतर कर्मचारियों ने अपनी लंबित एवं जायज मांगों को लेकर सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने एकजुट होकर आवाज उठाई कि उनकी समस्याओं का निराकरण लंबे समय से नहीं किया गया है, जिसके कारण उन्हें आंदोलन का रास्ता चुनना पड़ा।महाविद्यालय इकाई संघ के सचिव भीम कुमार और अध्यक्ष राजन कुमार वर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस हड़ताल में सुबोध कुमार, प्रदीप प्रजक, कुमार प्रकाश रंजन और रजनीश कुमार सहित दर्जनों कर्मियों ने हिस्सा लिया। आंदोलन को विशेष समर्थन तब मिला जब महाविद्यालय के पूर्व प्रधानाचार्य डॉ. दिवाकर कुमार स्वयं धरना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने कर्मचारियों की मांगों को जायज ठहराते हुए कहा कि कर्मचारी किसी भी शैक्षणिक संस्थान की रीढ़ होते हैं और उनके बिना व्यवस्था का सुचारू संचालन संभव नहीं है। हड़ताल के कारण कार्यालयी कामकाज पूरी तरह बाधित रहा, लेकिन कर्मचारियों ने अपनी एकता प्रदर्शित करते हुए उम्मीद जताई कि प्रशासन जल्द ही उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेगा। यह आंदोलन दूसरे दिन भी जारी रहने की घोषणा की गई है।

राजनीतिक दलों की मौजूदगी में खुला ईवीएम वेयरहाउस

डीएम ने जांची सुरक्षा

बीएनएम @ शेखपुराः शेखपुरा के जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी शेखर आनंद ने बुधवार को जिला मुख्यालय स्थित ईवीएम वेयरहाउस का औचक निरीक्षण किया। भारत निर्वाचन आयोग के कड़े दिशा-निर्देशों के तहत किए गए इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य ईवीएम और वीवीपीएटी मशीनों की सुरक्षा, रख-रखाव और तकनीकी मानकों की पुष्टि करना था। जिलाधिकारी ने वेयरहाउस की आंतरिक एवं बाहरी सुरक्षा व्यवस्था का गहन जायजा लिया और निर्देश दिया कि नमी या अन्य किसी तकनीकी कारण से मशीनों को कोई क्षति न पहुंचे।निरीक्षण के दौरान सीसीटीवी निगरानी, अग्निशमन यंत्रों की क्रियाशीलता और सुरक्षा बलों की तैनाती की स्थिति संतोषजनक पाई गई। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने एंट्री रजिस्टर और लॉग बुक का बारीकी से मिलान किया ताकि अनाधिकृत प्रवेश को पूरी तरह रोका जा सके। निर्वाचन आयोग की नीति के अनुसार, यह पूरी प्रक्रिया उप निर्वाचन पदाधिकारी और विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने स्वयं वेयरहाउस के सील और तालों की जांच की और स्पष्ट किया कि निर्वाचन की निष्पक्षता और मशीनों की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को कड़ी हिदायत दी कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एसडीएम ने जांची आधार केंद्र और हीट वेव वार्ड की व्यवस्था

बीएनएम @ शेखपुराः एसडीएम प्रियंका कुमारी ने बुधवार दोपहर शेखपुरा सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया, जिससे अस्पताल कर्मियों में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आधार निर्माण केंद्र की जांच की और विभिन्न वार्डों में साफ-सफाई का जायजा लिया।एसडीएम ने स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति जांची और भीषण गर्मी को देखते हुए बनाए गए 10 हीट वेव सेंटर्स का भी अवलोकन किया। उन्होंने अस्पताल में मिली कमियों को दूर करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, ताकि मरीजों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

गैरमजरूआ भूमि से अतिक्रमण हटने के बाद बढ़ा विवाद, दोनों पक्ष आमने-सामने

» हाई कोर्ट के आदेश पर हुई थी कार्रवाई, गांव में तनाव का माहौल

बीएनएम @ हरसिद्धि

हरसिद्धि। पूर्वी चंपारण जिले के हरसिद्धि थाना क्षेत्र अंतर्गत मठलोहियार पंचायत के वार्ड संख्या-02 में गैरमजरूआ भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बाद नया विवाद खड़ा हो गया है। मामले को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने हैं और गांव में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित करने की मांग की है। जानकारी के अनुसार, मठलोहियार निवासी मनीष यादव, पिता रामचरित्र राय, ने हरसिद्धि थाना से लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक आवेदन देकर सुरक्षा एवं न्याय की मांग की है। उनका आरोप है कि उच्च न्यायालय के आदेश के आलोक में 7 जनवरी 2026 को अंचल अधिकारी अरविंद चौधरी के नेतृत्व में जेसीबी और भारी पुलिस बल की मौजूदगी में मुनीलाल भगत, चुन्नीलाल भगत, जितेंद्र भगत एवं भारत भगत द्वारा गैरमजरूआ भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया था। पीड़ित का कहना है कि प्रशासनिक कार्रवाई के बाद संबंधित लोग आक्रोशित हो गए और उनकी निजी रैयती जमीन पर कब्जा जमा लिया। मनीष यादव के अनुसार, जमाबंदी संख्या-1966, खाता संख्या-519 एवं खेसरा संख्या-213 की लगभग चार कट्ठा भूमि पर पहले अस्थायी रूप से झोपड़ी बनाकर सामान रखा गया था। उस समय अस्थायी व्यवस्था का हवाला दिया गया था, लेकिन अब उक्त भूमि पर पक्का निर्माण कराने की तैयारी की जा रही है। मनीष यादव ने आरोप लगाया कि विरोध करने पर उन्हें मारपीट और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि मामले को लेकर 16 मार्च को हरसिद्धि थाना तथा 27 अप्रैल को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आवेदन दिया गया, बावजूद इसके अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इधर, भूमि विवाद को लेकर गांव में तनाव बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन ने समय रहते पहल नहीं की, तो स्थिति बिगड़ सकती है। इस संबंध में हरसिद्धि थानाध्यक्ष ने बताया कि मामला भूमि विवाद से जुड़ा है और यह अंचलाधिकारी के अधिकार क्षेत्र का विषय है। वहीं अंचल अधिकारी अरविंद चौधरी ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में है तथा जांच कर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

रात्रि गस्ती व वाहन जांच के दौरान देशी चुलाई व विदेशी शराब बरामद, चार गिरफ्तार

बीएनएम @ हरसिद्धि

हरसिद्धि। थाना क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत हरसिद्धि पुलिस ने छापेमारी एवं विशेष रात्रि गश्ती के दौरान अलग-अलग कार्रवाई करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से देशी चुलाई शराब एवं विदेशी शराब बरामद की है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार के नेतृत्व में की गई छापेमारी के दौरान ओलहा मेहता टोला निवासी दशरथ मांझी (35), पिता लालजी मांझी, को 20 लीटर देशी चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। वहीं दूसरी कार्रवाई में कोटवा थाना क्षेत्र के फतुआ निवासी नंद किशोर कुमार (24), पिता सुरेंद्र साह एवं विकास मिश्रा (37), पिता स्व. अमर मिश्रा, को दो बोतल 8 पीएम फ्रूटी के साथ गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा विशेष रात्रि गश्ती के दौरान वाहन जांच में पुलिस ने मंझौलिया थाना क्षेत्र के जौकटिया नुनियावा टोला निवासी कुंदन कुमार पिता हीरालाल महतो एवं नितीश कुमार पिता पारस महतो, को मोटरसाइकिल की डिक्की में रखी एक बोतल 8 पीएम फ्रूटी के साथ धर दबोचा। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि सभी आरोपितों के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक प्रक्रिया शुरू कर दी है।

गुमशुदा मूक बधिर बच्चे को पुलिस ने छह घंटे में किया बरामद

» सोशल मीडिया और त्वरित कार्रवाई से परिजनों को मिली राहत

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। पश्चिम चंपारण जिले के नौतन थाना क्षेत्र से लापता हुए एक पांच वर्षीय मूक बच्चे को पुलिस ने महज छह घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई और सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग से बच्चे की सुरक्षित बरामदगी संभव हो सकी। पुलिस द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, बुधवार सुबह करीब 6 बजे नौतन थानाध्यक्ष को सूचना मिली कि रेखा सुंदरपटी निवासी सद्दाम हुसैन का पांच वर्षीय पुत्र लापता हो गया है। बताया गया कि बच्चा बोल नहीं सकता है, जिससे परिजनों की चिंता और बढ़ गई थी। सूचना मिलते ही नौतन थानाध्यक्ष तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और बच्चे की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में खोजबीन के साथ-साथ डॉग स्क्वॉड को भी सूचना दी। इसके अलावा बच्चे की तस्वीर और जानकारी विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा की गई, ताकि जल्द से जल्द उसका पता लगाया जा सके। पुलिस की सक्रियता का असर दोपहर करीब 1 बजे देखने को मिला, जब नौतन थाना को सूचना मिली कि बच्चा श्रीनगर गांव में मौजूद है। इसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया। बाद में बच्चे को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। अपने बच्चे को सुरक्षित पाकर परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की। बेतिया पुलिस ने कहा है कि अपराध नियंत्रण एवं लोक व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ आम लोगों की सुरक्षा के लिए पुलिस लगातार तत्पर और प्रतिबद्ध है।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत बेतिया पुलिस ने लौटाए 60 गुम मोबाइल

» अप्रैल माह में करीब 15 लाख रुपये के मोबाइल बरामद, मालिकों के चेहरों पर लौटी मुस्कान

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। पुलिस मुख्यालय बिहार, पटना द्वारा चलाए जा रहे "ऑपरेशन मुस्कान" अभियान के तहत बेतिया पुलिस ने अप्रैल 2026 में बड़ी सफलता हासिल करते हुए 60 गुम मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिए। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 15 लाख रुपये बताई गई है। बेतिया पुलिस द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, गुम या चोरी हुए मोबाइल फोन से संबंधित शिकायतें जिला सूचना इकाई (डीआईयू) एवं सीईआईआर पोर्टल पर लगातार प्राप्त हो रही थीं। इन शिकायतों के आधार पर जिला सूचना इकाई की टीम ने लगातार तकनीकी अनुसंधान और छापेमारी अभियान चलाकर मोबाइल फोन बरामद किए। पुलिस के मुताबिक, वर्ष 2026 में अब तक कुल 425 मोबाइल फोन बरामद किए जा चुके हैं, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 67.30 लाख रुपये है। बरामद मोबाइल उनके मालिकों को सुपुर्द किए जाने के बाद लोगों ने पुलिस की कार्रवाई की सराहना की। पुलिस ने बताया कि आम लोगों की सुविधा और त्वरित सहायता के लिए बेतिया पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से भी गुम या चोरी हुए मोबाइल की शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। मोबाइल बरामदगी अभियान में जिला सूचना इकाई के प्रभारी मनोज कुमार सिंह, पु.अ.नि. इंद्रजीत पासवान, पु.अ.नि. सोनम कुमार, सिपाही राज कुमार, विपिन कुमार एवं ऋषभ कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। बेतिया पुलिस ने कहा है कि अपराध नियंत्रण एवं लोक व्यवस्था के संधारण के साथ-साथ आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए पुलिस लगातार प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है।

अवैध वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के उत्पीड़न का मामला, एसपी ने किया निरीक्षण

» दो गिरफ्तार, अन्य आरोपितों की तलाश में छापेमारी जारी

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। पश्चिम चंपारण जिले के बैरिया थाना क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित एक वृद्धाश्रम में बुजुर्गों को प्रताड़ित करने और बंधक बनाकर रखने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक शौर्य सुमन ने बुधवार को स्वयं घटनास्थल पहुंचकर निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। पुलिस द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, बैरिया थाना क्षेत्र में संचालित सहारा वृद्धाश्रम में वृद्धजनों के साथ प्रताड़ना एवं उन्हें बंधक बनाकर रखने की शिकायत सामने आने के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया। निरीक्षण के दौरान एसपी शौर्य सुमन ने आश्रम में रह रहे बुजुर्गों की स्थिति का जायजा लिया और उनसे बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पीड़ित वृद्धजनों को तत्काल समुचित चिकित्सा सुविधा, सुरक्षा तथा आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाए। एसपी के निर्देश पर बैरिया थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। वहीं अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस पूरे मामले की गहन जांच में जुटी हुई है। बेतिया पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि इस प्रकार की किसी भी संदिग्ध या अमानवीय गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। पुलिस प्रशासन ने कहा है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने और कमजोर वर्गों की सुरक्षा के लिए जिला पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो आंदोलन करेगी सीपीआई

» अरियरी पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर आरोप

बीएनएम @ शेखपुरा

शेखपुराः शेखपुरा के सीपीआई कार्यालय 'कार्यनंद शर्मा भवन' में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान बिहार राज्य परिषद सचिव रामनरेश पाण्डेय ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में अपराध का ग्राफ तेजी से बढ़ा है, जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण शेखपुरा जिला सचिव प्रभात कुमार पाण्डेय पर हुआ जानलेवा हमला है। रामनरेश पाण्डेय ने कहा कि प्रभात पाण्डेय पर यह तीसरी बार हमला हुआ है, जो स्थानीय पुलिस और विशेषकर अरियरी पुलिस की कार्यशैली पर बड़ा सवाल खड़ा करता है।विदित हो कि 3 मई की रात करीब 10:30 बजे बाइक सवार अज्ञात अपराधियों ने प्रभात कुमार पाण्डेय की कार पर अंधाधुंध फायरिंग की थी। प्रेस वार्ता में जिला प्रभारी इरफ़ान अहमद फातमी और सहायक जिला सचिव निधीश कुमार गोलू सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित थे। नेताओं ने चेवाड़ा में हुई दो हत्याओं और जिले में बढ़ती लूट व डकैती की घटनाओं का जिक्र करते हुए स्थानीय प्रशासन को आड़े हाथों लिया। राज्य सचिव ने प्रशासनिक भ्रष्टाचार पर भी प्रहार किया। वामपंथी नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि पुलिस ने जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई नहीं की, तो सभी वाम दल एकजुट होकर जिला प्रशासन के विरुद्ध उग्र आंदोलन शुरू करेंगे।

गया जी में 1.21 लाख पांडुलिपियों का सत्यापन, ज्ञान भारतम मिशन की बड़ी उपलब्धि

» गयाजी जिला बिहार में दूसरे स्थान पर, डीएम ने किया सम्मानित

बीएनएम @ गयाजी

गयाजी। गया जिले में ज्ञान भारतम मिशन के अंतर्गत पांडुलिपि संरक्षण एवं डिजिटाइजेशन के क्षेत्र में एक गौरवशाली अध्याय जुड़ा है। हाल ही में समाहरणालय सभागार में आयोजित एक विशेष समारोह में जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को अंगवस्त्र और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने गर्व के साथ साझा किया कि गया जिला, पांडुलिपि संरक्षण और डिजिटाइजेशन के मामले में संपूर्ण बिहार में दूसरे स्थान पर रहा है। इस मिशन के तहत अब तक कुल 1,21,938 पांडुलिपियों का सफलता पूर्वक सत्यापन किया जा चुका है, जो जिले की समृद्ध ऐतिहासिक और साहित्यिक विरासत को सहेजने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है।यह अभियान केवल दस्तावेजों को सुरक्षित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्राचीन ज्ञान को भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुलभ बनाने का एक सेतु है। सर्वेक्षण के दौरान बोधगया मठ, मगध विश्वविद्यालय, जिला अभिलेखागार और व्यक्तिगत संग्रहों से दुर्लभ पांडुलिपियों का संकलन किया गया। इस पुनीत कार्य में शंभूनाथ विट्ठल, राजेंद्र कुमार सिजुआर, चिंटू लाल झांगर और स्वामी सुदर्शन आचार्य महाराज जैसे कई समर्पित व्यक्तियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।जिलाधिकारी ने इस पहल को सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण की दिशा में एक सतत प्रयास बताया और समुदाय से अपील की कि वे इस कार्य में प्रशासन का सहयोग करें। यह आयोजन न केवल कार्यकर्ताओं के उत्साहवर्धन का माध्यम बना, बल्कि इसने समाज में सांस्कृतिक परंपराओं को सहेजने के प्रति जागरूकता भी पैदा की। गया जिले का यह मॉडल अब अन्य जिलों के लिए भी एक प्रेरणा के रूप में उभरा है।

गैस सिलेंडर की किल्लत पर फूटा गुस्सा, उपभोक्ताओं ने सड़क जाम कर किया हंगामा

पुलिस के दखल के बाद खुला जाम, थानाध्यक्ष ने संचालक को दी सख्त चेतावनी

बीएनएम @ बगहा

बगहाः बगहा पुलिस जिला के चौतरवा थाना क्षेत्र स्थित पतिलार में बुधवार को 'बाबा भोलेश्वर एचपी गैस एजेंसी' के खिलाफ उपभोक्ताओं का भारी आक्रोश देखने को मिला। गैस सिलेंडरों की समय पर आपूर्ति न होने से नाराज दर्जनों ग्रामीणों ने चौतरवा-रतवल मुख्य मार्ग को पूरी तरह जाम कर दिया। इस विरोध प्रदर्शन के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे यात्रियों और स्थानीय लोगों को भीषण गर्मी में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।प्रदर्शनकारी उपभोक्ताओं का गंभीर आरोप है कि गैस बुकिंग के एक महीने बाद और ओटीपी आने के बावजूद उन्हें सिलेंडर नहीं दिया जा रहा है। लोगों ने एजेंसी संचालक पर कालाबाजारी का आरोप लगाते हुए कहा कि बार-बार एजेंसी के चक्कर काटने पर उन्हें होम डिलीवरी का आश्वासन देकर लौटा दिया जाता है, लेकिन हकीकत में महीनों तक गैस की आपूर्ति नहीं होती। यहाँ तक कि फोन करने पर भी एजेंसी कर्मियों द्वारा कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिलता।हंगामे की सूचना मिलते ही चौतरवा थानाध्यक्ष शुभम कुमार सिंह दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत और समझाने-बुझाने के बाद पुलिस ने जाम हटवाकर यातायात को सुचारू कराया। थानाध्यक्ष ने मौके पर ही गैस एजेंसी संचालक को सख्त हिदायत दी कि सरकारी नियमों का पालन करते हुए उपभोक्ताओं को समय पर सिलेंडर उपलब्ध कराएं। पुलिस के दखल और आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ, लेकिन एजेंसी की कार्यशैली को लेकर स्थानीय लोगों में अब भी गहरा असंतोष व्याप्त है।

जन कल्याण का रास्ता टिकाऊ नहीं

भारत में जन कल्याण का जो रास्ता चुना गया है, वह टिकाऊ नहीं है। हर वर्ष पिछले साल की तुलना में औसतन अधिक कर्ज लेने के बावजूद सरकारें नकदी हस्तातंरण की योजनाओं को सुगमता से नहीं चला पा रही हैं। बृहत-मुंबई महानगर पालिका के रिटायर शिक्षक का पेंशन भुगतान ना होने के बचाव में सरकार ने खजाने में पैसा ना होने का तर्क दिया। तो उससे नाराज बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार के पास अपने रिटायर्ड कर्मचारियों को पेंशन देने के लिए पैसा नहीं है, तो उसे लड़की बहन योजना रोक देनी चाहिए। इस योजना के तहत राज्य की डेढ़ करोड़ महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये दिए जाते हैं। खुद राज्य के मंत्री ऐसे बयान दे चुके हैं कि इस योजना से राजकोष पर पड़े भारी बोझ के कारण तमाम विभागों के बजट प्रभावित हुए हैं। इस बीच हरियाणा में अस्पतालों के संघ ने संबंधित अधिकारी को पत्र लिख कर कहा है कि 20 अप्रैल तक उनके बकाये का भुगतान नहीं हुआ, तो वे आयुष्मान भारत योजना के तहत मरीजों को भर्ती करना बंद कर देंगे।

पत्र में ध्यान दिलाया गया है कि अस्पतालों का 400 करोड़ रुपये से अधिक बकाया सरकार पर है। आयुष्मान भारत के बारे में ऐसी शिकायतें कई अन्य राज्यों से भी आई हैं। ये खबरें बताती हैं कि भारत में जन कल्याण का जो रास्ता चुना गया है, वह टिकाऊ नहीं है। हर वर्ष पिछले साल की तुलना में औसतन अधिक कर्ज लेने के बावजूद केंद्र और राज्य सरकारें नकदी हस्तातंरण की योजनाओं को सुगमता से नहीं चला पा रही हैं। और ऐसा होना अस्वाभाविक नहीं है। यह मूलभूत सिद्धांत है कि कोई अर्थव्यवस्था उत्पादक निवेश और पूंजी निर्माण पर टिकी नहीं है, तो वह उपभोग उन्मुख जन कल्याण को सुनिश्चित नहीं कर सकती। ऋण लेना अपने आप में समस्या नहीं है, बशर्ते उसका उपयोग उत्पादन बढ़ाने या टिकाऊ संपत्ति खड़ी करने में हो रहा हो। इन दोनों प्रक्रियाओं से मांग पैदा होती है, जिससे स्वतः उपभोग बढ़ता है। इस क्रम में सरकार का कर राजस्व बढ़ता है, जिससे वह टिकाऊ जन- कल्याण योजनाओं को चलाने की बेहतर स्थिति में होती है। मगर अपने यहां उलटी राह चुनी गई है। इस बीच चुनावी राजनीति में वोट खरीदने की बढ़ी प्रवृत्ति ने स्थिति ओर बिगाड़ दी है। उसका परिणाम महाराष्ट्र और हरियाणा जैसी स्थितियां हैं।

ममता दीदी को जनता की संप्रभुता:का सम्मान करना चाहिए

संजय गोस्वामी

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि वो चुनाव नहीं हारी हैं इसलिए इस्तीफ़ा नहीं देंगी।ऐ कहना ठीक नहीं है पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में टीएमसी को मिली हार ने ममता बनर्जी के आगे की राजनीतिक सफर को काफी मुश्किलों भरा बना दिया है। ममता बनर्जी ने सिर्फ सत्ता ही नहीं गंवायी बल्कि अपनी परंपरागत सीट भवानीपुर को भी हार गईं अब ऐ कहना काउंटिंग में धांधली हुई है इसलिए इस्तीफा नहीं दूंगी गलत है ऐ लोकतान्त्रिक देश है इसमें जनता का निर्णय सर्वोपरि है पश्चिम बंगाल में चुनाव परिणाम के बाद हिंसा होना बिल्कुल गलत है ऐ राज्य सरकार की जिम्मेदारी है अतः ऐसी घटना को शक्ति से पालन करना चाहिए और क़ोई भी पार्टी का हो दंगा करने पर उचित कार्यवाही करना चाहिए इस चुनाव में कांग्रेस और टीएमसी में वोट कटा है रही सही कसर लेफ्ट और एआईएमआईएम ने भी वोट काटा है इस चुनाव में सबसे ज्यादा खुश कांग्रेस हुई होगी क्योंकि विपक्ष में ममता दीदी का बढ़ता कद को देखकर कांग्रेस चिंता में थी अब विपक्ष में कांग्रेस एक बड़ी पार्टी बनी है भले ही सीटों की संख्या कम हो लेकिन अधिक मात्रा में अल्पसंख्यक का वोट काटा है लोकतंत्र में जनता का निर्णय ही सर्वोपरि है और उसका सम्मान करना चाहिए और हार को स्वीकार कर विपक्ष में ही सही जनता के निर्णय को सम्मान करना चाहिए लोकतंत्र एक ऐसी शासन प्रणाली है जिसमें देश की सत्ता जनता के हाथों में होती है। इसमें नागरिक अपने प्रतिनिधियों को चुनते हैं और वे प्रतिनिधि जनता के हित में शासन चलाते हैं। सरल परिभाषाः लोकतंत्र वह शासन प्रणाली है जिसमें जनता को अपने शासकों को चुनने का अधिकार होता है। सत्ता का अंतिम स्रोत जनता होती है। प्रतिनिधियों का चुनाव निश्चित अंतराल पर होता है। समानताः सभी नागरिकों को कानून के सामने समान अधिकार प्राप्त होते हैं। स्वतंत्रताः विचार, अभिव्यक्ति, धर्म, और संगठन की स्वतंत्रता होती है। कानून का शासनः सभी नागरिक और शासक कानून के अधीन होते हैं। बहुमत का शासन, अल्पमत का सम्मान करना ही लोकतंत्र की ताकत है जिसमें निर्णय बहुमत से लिए जाते हैं, लेकिन अल्पमत के अधिकारों की रक्षा की जाती है।

न्यायपालिका की स्वतंत्रता भी शामिल है जो न्यायालय स्वतंत्र और निष्पक्ष होते हैं। जहाँ तक उत्तरदायित्व और पारदर्शिता का सवाल है वो चुनाव से पहले होता है जिसमें शासक जनता के प्रति उत्तरदायी होते हैं और शासन में पारदर्शिता होती है। यानी व्यावहारिक अर्थ जनता की संप्रभुता की रक्षा करना है : नागरिक ही सरकार को बदल देती हैं। चुनाव हर 5 साल में चुनाव होते हैं तो अगली बार के लिए कहाँ कहाँ गलती हुई इसपर ध्यान देकर विपक्ष में भी रहकर जनता की सेवा करने से पुनः चुनाव में जीत हो सकती है । जाति, धर्म, लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए । कोई भी अपनी राय रख सकता है, संगठन बना सकता है। कानून का शासनः कोई भी कानून से ऊपर नहीं। बहुमत का शासन, अल्पमत का सम्मानः बहुमत से सरकार बनती है, लेकिन अल्पमत की बात भी सुनी जाती है। उत्तरदायित्व और पारदर्शिताः सरकार को अपने कार्यों का हिसाब देना पड़ता हैलोकतंत्र की न्यूनतम विशेषताएँ हैंः जनता की संप्रभुता, समानता, स्वतंत्रता, कानून का शासन, और उत्तरदायित्व। इनसे ही किसी शासन को लोकतांत्रिक कहा जा सकता है।अगर लगता है की काउंटिंग में कुछ गड़बरी हुई है तो अदालत है जिसमें न्यायपालिका के सामने अपनी बात रखने का अधिकार है जो अदालतें सरकार के दबाव में नहीं होतीं। इसलिए अब चुनाव परिणाम आने के बाद कुछ नहीं हो सकता है और जिसके जितना अधिक सीटे आई हैं वो अपना विधायक दल का नेता चुना जाएगा और राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे और विधायक दल की संख्या के आधार पर राज्यपाल उसे सरकार बनाने के लिए शपथ भी दिला देगी वो भी राज्यभवन में जैसा एक बार महाराष्ट्र के चुनाव के बाद देवेंद्र फरनवीस और एनसीपी के नेता स्व अजीत पवार ने शपथ लिया बाद में बहुमत नहीं होने के कारण देवेंद्र फरनवीस को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था पश्चिम बंगाल में कुछ ही दिनों में 5 साल पूर्ण होने पर विधानसभा भंग हो जाएगी बाद में नए विधायक सदन में प्रोटम स्पीकर द्वारा शपथ लेंगे अतः यहाँ कहीं भी दुविधा नहीं है क्योंकि जीते गए विधायक को चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद निर्वाचन अधिकारी जीते हुए प्रत्याशी को प्रमाण पत्र देती है चुनाव से जुड़े सभी इंतज़ाम चुनाव आयोग करता है। चुनाव आयोग मतदान केंद्र बनाता है, जहाँ चुनाव के दिन लोग आकर अपना वोट डालते हैं। सिर्फ़ वही लोग वोट डाल सकते हैं जिनका नाम वोटर लिस्ट में होता है। वोट डालने के बाद, सभी वोटों को एक सुरक्षित जगह पर रखा जाता है और इन्हें सिर्फ़ वोटों की गिनती वाले दिन ही खोला जाता है। इस तरह, जिस उम्मीदवार को सबसे ज़्यादा वोट मिलते हैं, वह चुनाव जीत जाता है। यह प्रक्रिया सभी चुनावों में, सभी निर्वाचन क्षेत्रों और वार्डों में दोहराई जाती है। अतः काउंटिंग के समय जो विपक्ष के एजेंट होते है चुनाव के दिन जो फॉर्म सी होता है उसको लेकर काउंटर पर काउंटिंग के दिन आते हैं और सभी चीजों जैसे ईवीएम का नम्बर विविपैड इलक्ट्रोल वोट की संख्या आदि का मिलान करते हैं हर घंटे राउंडिंग टेबल पर हर बूथ का ईवीएम से रिजल्ट देखा जाता है और हर घंटे ऐ क्रम चलता है और रिटर्निंग अफसर टेबलेटिंग अफसर को वो सीट देता है जिसे वो इलेक्शन कमीशन को ऑनलाइन भेजता है और तब जाकर रिजल्ट आता है और ऐ सभी सीसीटीवी की निगरानी में होता है अतः एक बार इलेक्शन कमीशनर द्वारा कैंडिडेट को जीत की घोषणा के बाद कुछ नहीं हो सकता है बाद में मिडिया में नहीं अदालत में गड़बड़ी की याचका दायर कर सकते है जो अदालत निर्णय देती है वो इलेक्शन में अगर धांधली हुई है तो सबूत के आधार पर ही अपने विवेक का इस्तेमाल कर क़ोई निर्णय देती है प्रायः इलेक्शन कमीशनर के निर्णय को ही जायज माना जाता है इसलिए अब जब चुनाव परिणाम आ गए हैं तो कुछ नहीं हो सकता है राज्यपाल तुरंत ही बड़ी पार्टी को सरकार बनाने का आदेश देगी और शपथ दिला देगी क्या करेंगे यदि इस्तीफा नहीं दि तो राज्यपाल तो खेल कर देंगे अतः इस्तीफा दे देना चाहिए और जनता के निर्णय को सम्मान करना चाहिए क्योंकि ऐसे भी बीजेपी अपना सरकार बना लेगी और उस समय इस्तीफा ना देने पर बेबजह मीडिया में नाम ख़राब होगा और मीडिया में बोलने से नहीं बल्कि अदालत ही क़ोई निर्णय दे सकती है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

भारत की सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक हैं टैगोर

योगेश कुमार गोयल

(रवीन्द्रनाथ टैगोर जयंती (7 मई) पर विशेष)

कोलकाता में साहित्यिक माहौल वाले कुलीन धनाढ्य परिवार में 7 मई 1861 को जन्मे रवीन्द्रनाथ टैगोर एक कवि, उच्च कोटि के साहित्यकार, उपन्यासकार और नाटककार के अलावा संगीतप्रेमी, अच्छे चित्रकार तथा दार्शनिक भी थे। टैगोर एशिया के प्रथम ऐसे व्यक्ति थे, जिन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्हें वर्ष 1913 में विश्वविख्यात महाकाव्य 'गीतांजली' की रचना के लिए साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया था। हालांकि उन्होंने यह पुरस्कार स्वयं समारोह में उपस्थित होकर ग्रहण नहीं किया था बल्कि ब्रिटेन के एक राजदूत ने यह पुरस्कार लेकर उन तक पहुंचाया था। नोबेल पुरस्कार में मिले करीब एक लाख आठ हजार रुपये की राशि टैगोर ने किसानों की बेहतरी के लिए कृषि बैंक तथा सहकारी समिति की स्थापना और भूमिहीन किसानों के बच्चों की शिक्षा के लिए स्कूल बनाने में इस्तेमाल की। टैगोर की महान रचना 'गीतांजली' का प्रकाशन वर्ष 1910 में हुआ था, जो उनकी 157 कविताओं का संग्रह है। इसी काव्य संग्रह को बाद में दुनिया की कई भाषाओं में प्रकाशित किया गया। मार्च 1913 में लंदन की मैकमिलन एंड कंपनी ने इसे प्रकाशित किया और 13 नवम्बर 1913 को नोबेल पुरस्कार की घोषणा से पहले इसके दस संस्करण छापे गए।

टैगोर की कुछ कविताएं तो बांग्लादेश के स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा भी हैं। जहां तक भारत के राष्ट्रीय गीत 'जन गण मन' की बात है कि इसे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन के दूसरे दिन का काम शुरू होने से पहले 27 दिसम्बर 1911 को पहली बार गाया गया था। हालांकि उस दौरान इस बात को लेकर भी कुछ विवाद चला कि कहीं उन्होंने यह गीत अंग्रेजों की प्रशंसा में तो नहीं लिखा लेकिन इसके रचयिता टैगोर ने स्पष्ट करते हुए कहा था कि इस गीत में वर्णित 'भारत भाग्य विधाता' के केवल दो ही अर्थ हो सकते हैं, देश की जनता या फिर सर्वशक्तिमान ऊपर वाला, फिर चाहे उसे भगवान कहें या देव। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा रवीन्द्र नाथ टैगोर राष्ट्रीयता, देशभक्ति, तर्कशक्ति इत्यादि विभिन्न मुद्दों पर अलग-अलग राय रखते थे लेकिन

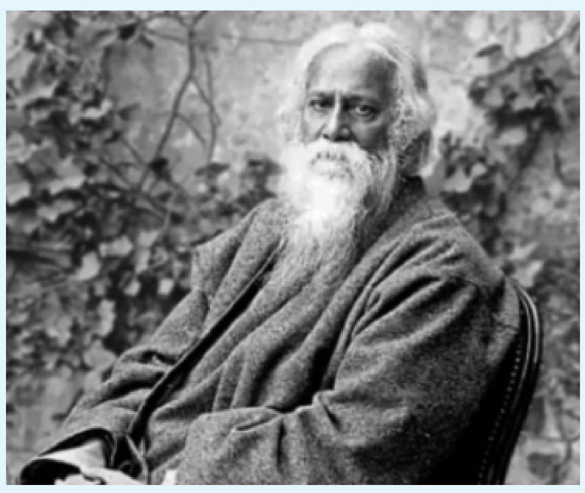

दोनों एक-दूसरे का बहुत सम्मान भी किया करते थे। साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार मिलने के बाद टैगोर को गांधीजी ने ही सर्वप्रथम 'गुरूदेव' कहा था जबकि गांधीजी को महात्मा की उपाधि टैगोर ने दी थी। उन्होंने 12 अप्रैल 1919 को गांधीजी को 'महात्मा' का सम्बोधन करते हुए एक पत्र लिखा था, उसके बाद ही गांधीजी को महात्मा कहा जाने लगा।

मात्र आठ वर्ष की आयु में रवीन्द्रनाथ टैगोर ने अपनी पहली कविता लिखी थी और 16 वर्ष की आयु में कहानियां तथा नाटक लिखना शुरू कर दिया था। बैरिस्टर बनने के सपने के साथ वह 1878 में इंग्लैंड चले गए थे लेकिन दो ही वर्ष बाद डिग्री लिए बिना ही भारत लौट आए। 1901 में सियालदह छोड़कर पश्चिम बंगाल के ग्रामीण क्षेत्र में स्थित शांतिनिकेतन में आने के बाद रवीन्द्रनाथ टैगोर ने वहां प्रकृति की गोद में खुले प्राकृतिक वातावरण में वृक्षों, बगीचों और एक लाइब्रेरी के साथ केवल पांच छात्रों के साथ छोटे से 'शांतिनिकेतन स्कूल' की स्थापना की, जो 1921 में 'विश्वभारती' नाम से एक समृद्ध विश्वविद्यालय बना।। 1919 में उन्होंने शांतिनिकेतन कला के एक स्कूल 'कला भवन' की भी नींव रखी, जो दो साल बाद विश्वभारती विश्वविद्यालय का हिस्सा बन गया। शांतिनिकेतन में ही गुरूदेव ने अपनी कई साहित्यिक कृतियां लिखी और यहां मौजूद उनका घर आज भी ऐतिहासिक महत्व का है। उनका ज्यादातर साहित्य काव्यमय रहा और अनेक रचनाएं गीतों के रूप में प्रसिद्ध हैं। 1880 के दशक में उन्होंने कविताओं की कई पुस्तकें प्रकाशित की और 1890 में 'मानसी' की रचना की।

कविता, गान, उपन्यास, कथा, नाटक, प्रबंध, शिल्पकला इत्यादि साहित्य की शायद ही ऐसी कोई विधा है, जिसमें उनकी रचना न हो। उनकी प्रमुख रचनाओं में गीतांजली, गीताली, गीतिमाल्य, कथा ओ कहानी, शिशु, शिशु भोलानाथ, कणिका, क्षणिका, खेया हैमांति, क्षुदिता, मुसलमानिर गोल्पो आदि प्रमुख हैं। उन्होंने कई किताबों का अनुवाद अंग्रेजी में किया, जिसके बाद उनकी रचनाएं पूरी दुनिया में पढ़ी और सराही गई। उपन्यास में गोरा, चतुरंगा, नौकादुबी, जोगजोग, घारे बायर, मुन्ने की वापसी, अंतिम प्यार, अनाथ इत्यादि गुरूदेव के कुछ प्रमुख उपन्यास हैं। इनके अलावा काबुलीवाला, मास्टर साहब, पोस्टमास्टर इत्यादि उनकी कई कहानियों को भी बेहद पसंद किया गया। अपने जीवनकाल में गुरूदेव ने करीब 2230 गीतों की रचना की और बांग्ला साहित्य के जरिये भारतीय सांस्कृतिक चेतना में नई जान डाली। अपनी अधिकांश रचनाओं में उन्होंने इंसान और भगवान के बीच के संबंधों तथा भावनाओं को उजागर किया। सही मायनों में गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर मानवता के मुखर पैरोकार थे। उन्होंने अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, चीन सहित दर्जनों देशों की यात्राएं की। स्वामी विवेकानंद के बाद वे दूसरे ऐसे भारतीय थे, जिन्होंने विश्व धर्म संसद को दो बार सम्बोधित किया। बहुआयामी प्रतिभा के धनी गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने प्रोस्टेट कैंसर के कारण 7 अगस्त 1941 को कोलकाता में अंतिम सांस ली।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तकः भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं)

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए खुशियां भरा रहने वाला है। नए वाहन खरीदने की। आपके आस-पास के कुछ लोग आपके विरोधी भी बन सकते हैं जिनसे आपको सतर्क रहने की सख्त जरूरत है। आज आपको योजना अनुसार ही कार्य करना चाहिए। यदि आप अपने बिजनेस में कुछ नए उपकरणों को शामिल करेंगे, तो आपको बढ़िया लाभ होगा।

वृष राशिः आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज किसी खास व्यक्ति से आपकी मुलाकात होगी। विदेश जाने की इच्छा रख रहे लोगों को आज बढ़िया अवसर मौका मिल सकता है। आज आप अपने पैसे सोच समझ कर खर्च करें ।अपनी आय और व्यय के लिए एक बजट बनाकर चलें, तभी आपको भविष्य के लिए धन संचय करने में आसानी होगी है। जीवनसाथी आज आपको प्रसन्न होने की वजह देंगे।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज प्रैक्टिकल सोच रखेंगे तो आपको लाभ होगा। आज थोड़ा समय एकांत में या किसी धार्मिक स्थान पर बीताएंगे।आज शाम को माता जी से अपने भविष्य को लेकर विचार-विमर्श करेंगे, आपको माता जी का साथ मिलने से खुशी होगी।

कर्क राशि : आज के दिन आपको बहु प्रतीक्षित परिणाम प्राप्त होंगे। सरकारी कार्यों में आपको बड़े लाभ होने की संभावना है। आज आप अपनी संतान के साथ कहीं घूमने के लिए जा सकते हैं। उनके साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। घर के अन्य सदस्यों के साथ भी आपकी अच्छी बॉन्डिंग बनेगी। व्यापारी वर्ग को कुछ नए आर्डर मिलेंगे,काम बढ़िया चलेगा, जिससे अधिक लाभ होगा।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। आपका धन कहां खर्च हो रहा है इस पर आपको नजर बनाए रखने की जरूरत है। आज आपको बेकार की उलझन में पड़ने से बचने की जरूरत है। जिंदगी में चल रही भागदौड़ के बीच आज आपको अपने लिए समय निकालना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। बाहर का तले भुने खाने से परहेज करें, सेहत खराब हो सकती है।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए यादगार रहने वाला है। आज आपका पुराना मित्र आपसे मिलने आएगा ,जिनसे मिलकर आपकी पुरानी यादें ताजा होंगी। छात्र खूब मन लगाकर पढ़ाई करते हुए नजर आएंगे। परिवार वालों के साथ धार्मिक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। भाई, बहनों का सहयोग मिलेगा। किसी दूर के रिश्तेदार के द्वारा शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। आज आप कोई कम्प्यूटर कोर्स सीखने का मन बनायेंगे।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आपके ऊपर परिवार की जिम्मेदारी आएंगी, जिसे आप पूरा करेंगे। माता-पिता से आप अपने मन की बातों को साझा करेंगे। जो लोग घर से दूर रहकर नौकरी कर रहे हैं, उन्हें अपने परिवार से मिलने का मौका मिलेगा। अगर आपने पहले निवेश किया हुआ है तो उसका भी पूरा लाभ मिलेगा। गैर जरूरी खर्चों पर काबू रखें, फ्यूचर की किसी योजना के लिए बजट का ध्यान रखेंगे।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। जीवनसाथी से किसी काम को लेकर विचार विमर्श करेंगे। आप अपने मित्रों के साथ किसी सांस्कृतिक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। आपके बिजनेस में पिता का पूरा सहयोग मिलेगा।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। काम करने के तरीकों में बदलाव करेंगे और व्यवस्थित रहेंगे तो आपके काम जल्दी पूरे होंगे। आज आप संतान के करियर की समस्याओं को किसी अनुभवी और जानकार व्यक्ति की मदद से सुलझा लेंगे। आज आपको अपने क्रोध पर नियंत्रण रखने बहुत जरूरत है।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। रूटीन मे डेली मॉर्निंग वाक करने की योजना बनाएंगे जिससे आप काफी ऊर्जावान महसूस करेंगे। पुराना मित्र आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है आप उसे निराश नहीं करेंगे अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहायता अवश्य करेंगे।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज परिवार के साथ किसी धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने का सौभाग्य मिलेगा। किसी बचपन के मित्र से बहुत दिनों बाद मुलाकात होगी, जिनसे मिलकर आपको खुशी होगी। यदि आपने बचत संबंधी योजनाओं पर पूरा ध्यान लगाया तो आप भविष्य के लिए कुछ धन संचय करने में कामयाब रहेंगे।किसी मामले को शांति से सुलझाने की कोशिश करें।

मीन राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। ऑफिस में कार्यरत लोगों को तरक्की मिलने से उन्हें काफी खुशी होगी ।अपने जीवनसाथी का नया काम शुरू करवाएंगे साथ ही आज कुछ बड़ा और अलग काम करने की सोच सकते है। घर में नन्हे मेहमान के आने की खुशखबरी मिलेगी। इस राशि की जो महिलाएं बिजनेस कर रही हैं उनका दिन व्यस्तता से भरा होगा, लेकिन शाम का समय अपनी फैमिली के साथ बिताएंगी।

मोबाइल की चकाचौंध में गुम हुआ बचपन

दिलीप कुमार पाठक

(07 मई विश्व एथलेटिक्स दिवस) आज की शाम किसी भी मोहल्ले के पार्क या कॉलोनी के पास से गुज़रिए, एक सन्नाटा मिलेगा, वह शोर-शराबा, बच्चों के चहकने की आवाज़े, और पकड़म-पकड़ाई के खेल अब न के बराबर दिखते हैं। अगर कुछ बच्चे नजर भी आते हैं, तो अक्सर वे किसी बेंच पर एक साथ बैठे, सिर झुकाए मोबाइल की स्क्रीन में खोए रहते हैं। उनके अंगूठे स्क्रीन पर तेज़ी से चल रहे होते हैं, जहाँ उनका डिजिटल खिलाड़ी मैदान पर बहुत तेज़ दौड़ रहा होता है, लेकिन हकीकत में उनके अपने पैर थमे हुए हैं।

यह मंजर आज की उस कड़वी हकीकत को बताता है जहाँ बचपन खेल के मैदानों से कटकर पांच इंच की स्क्रीन में सिमट गया है। 7 मई का दिन पूरी दुनिया में विश्व एथलेटिक्स दिवस के रूप में मनाया जाता है। तारीखों के हिसाब से देखें तो यह दिन खेलों को बढ़ावा देने का एक मौका हो सकता है, लेकिन समाज के नाते यह दिन हमसे कुछ सवाल पूछता है। सबसे बड़ा सवाल यह कि क्या हमारे जीवन से मैदान और मिट्टी का रिश्ता टूट रहा है? एथलेटिक्स कोई भारी-भरकम शब्द नहीं है, यह तो हम सबकी बुनियादी फितरत है। दौड़ना, कूदना और अपनी पूरी ताकत से भागना, ये वो चीजें हैं जो एक बच्चा चलना सीखने के साथ ही अपने आप करने लगता है। लेकिन जैसे-जैसे हम आधुनिक सुविधाओं की तरफ बढ़े, हमने बच्चों के भीतर के इस खिलाड़ी को सुरक्षा और पढ़ाई के नाम पर घरों के भीतर कैद कर दिया है । एक दौर था जब गाँव की पगडंडियों पर नंगे पैर दौड़ना या स्कूल के ऊबड़-खाबड़ मैदानों में पसीना बहाना ही दिन की सबसे बड़ी खुशी होती थी। तब न महंगे जूते थे, न कोई खास डाइट और न ही वातानुकूलित जिम। फिर भी शरीर मजबूत रहता था और मन में गजब का उत्साह।

आज तकनीक ने हमें सब कुछ दे दिया है, बस वह पसीना बहाने वाला ज़मीन का रिश्ता कहीं पीछे छूट गया है। आज का बच्चा स्कूल की पढ़ाई, भारी-भरकम ट्यूशन और फिर अंतहीन मुकाबलों की ऐसी अदृश्य रेस में दौड़ रहा है, जहाँ वह मानसिक रूप से तो थक जाता है, उसका शरीर सुस्त पड़ा रहता है । जब भी ओलंपिक जैसे बड़े खेल होते हैं, तो नीरज चोपड़ा या हिमा दास जैसे खिलाड़ियों की सफलता पर पूरा देश गर्व करता है। सोशल मीडिया पर उनकी तारीफों के पुल बांध दिए जाते हैं। लेकिन क्या एक समाज के तौर पर हम अपनी ज़िम्मेदारी निभा रहे हैं? हकीकत यह है कि आज भी मध्यमवर्गीय परिवारों में खेलकूद को पढ़ाई के बाद का काम समझा जाता है। जैसे ही कोई बच्चा हाथ में फुटबॉल या गेंद, बैट उठाता है, माता-पिता को उसके भविष्य की चिंता होने लगती है। हम यह भूल जाते हैं कि मैदान केवल खिलाड़ी नहीं बनाते, बल्कि वे बेहतर इंसान बनाते हैं। एथलेटिक्स या कोई भी खेल हमें वह अनुशासन सिखाता है, मैदान पर जब कोई बच्चा गिरता है और अपनी धूल झाड़कर फिर से दौड़ने लगता है, तो असल में वह जीवन के बड़े संघर्षों का मुकाबला करने की तैयारी कर रहा होता है। खेल उसे हार को हिम्मत के साथ स्वीकार करना और जीत के लिए दोबारा मेहनत करना सिखाते हैं। आज के समय में जब बच्चों में चिड़चिड़ापन, तनाव और मोटापा बढ़ रहा है, तब खेल के मैदान ही सबसे बेहतर दवा साबित हो सकते हैं।

मोबाइल की स्क्रीन उसे पल भर की खुशी तो दे सकती है, लेकिन वह आत्मविश्वास नहीं दे सकती जो उसे असली मैदान पर पसीना बहाने से मिलता है। विश्व एथलेटिक्स दिवस पर यह सोचना ज़रूरी है कि क्या हम अपने बच्चों को केवल डिग्रियों की रेस का हिस्सा बनाना चाहते हैं या उन्हें एक स्वस्थ जीवन भी देना चाहते हैं? सरकारों का स्टेडियम बनाना या नए अभियान चलाना अपनी जगह ठीक है, लेकिन असली बदलाव हमारे घरों की सोच से शुरू होगा। जब तक खेल को टाइम-पास के बजाय व्यक्तित्व निखारने का ज़रूरी हिस्सा नहीं माना जाएगा, तब तक हमारे मैदान ऐसे ही सूने रहेंगे। वक्त आ गया है कि हम अपने बच्चों को वापस मिट्टी से जोड़ें। उन्हें यह समझाना ज़रूरी है कि असली रोमांच फोन के किसी गेम में नहीं, बल्कि खुले आसमान के नीचे दोस्तों के साथ दौड़ने में है। मेडल तो शायद कुछ ही लोग जीत पाएंगे, लेकिन खेलों से मिला अनुशासन और जज़्बा हर उस बच्चे के काम आएगा जो जीवन की मुश्किलों से टकराने की हिम्मत रखता है। हम अपने बच्चों का हाथ थामें और उन्हें फिर से खेल के मैदानों की ओर ले जाएं, जहाँ उनका बचपन और उनकी सेहत, दोनों महफूज हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

बीसीसीआई ने जारी किया आईपीएल प्लेऑफ का कार्यक्रम, अहमदाबाद में खेला जाएगा फाइनल

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सत्र के प्लेऑफ और फाइनल के लिए मैच स्थलों की घोषणा कर दी। बोर्ड ने एक बदलाव करते हुए फाइनल मैच बेंगलुरु की जगह पर अहमदाबाद में रख दिया है। पहले खिताबी मुकाबला बेंगलुरु में रख गया था पर वहां आ रही दिक्कतों को देखते हुए इसे अहमदाबाद में रखने का फैसला लेना पड़ा। पारंपरा के अनुसार आईपीएल के फाइनल की मेजबानी मौजूदा चैंपियन टीम के पास होती है पर राजनीतिक कारणों की वजह से ये बेंगलुरु के हाथ से निकल गयी क्योंकि वहां कुछ विधायक मुफ्त में पांच टिकट मांग रहे थे। इसके अलावा वहां कुछ और परेशानी भी आ रही थी। बीसीसीआई ने कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कहा कि धर्मशाला में पहला क्वालीफायर खेला जाएगा, जबकि एलिमिनेटर और दूसरा क्वालीफायर मैच न्यू चंडीगढ़ में खेला जाएगा। वहीं फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। मंगलवार 26 मई को धर्मशाला के एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम में पहला क्वालीफायर खेला जाएगा। इसको जीतने

वाली टीम सीधे फाइनल में पहुंचेगी और हारने वाली टीम क्वालीफायर 2 खेलेगी। वहीं अगले दिन यानी बुधवार 27 मई को न्यू चंडीगढ़ के न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में एलिमिनेटर मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच को जीतने वाली टीम क्वालीफायर 2 में क्वालीफायर 1 को हारने वाली टीम से खेलेगी, जबकि एलिमिनेटर हारने वाली टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी।

आईपीएल 2026 का दूसरा क्वालीफायर शुक्रवार 29 मई को न्यू चंडीगढ़ में ही खेला जाएगा। वहीं फाइनल मुकाबला अहमदाबाद में रविवार 31 मई को खेला जाएगा। क्वालीफायर 1 की विजेता और क्वालीफायर 2 की विजेता टीम की टक्कर फाइनल में होगी। क्वालीफायर 1 उन टीमों के बीच खेला जाता है, जो लीग फेज के बाद अंक तालिका में नंबर एक और नंबर दो पर रहती हैं, जबकि एलिमिनेटर में नंबर 3 और नंबर 4 की टीम खेलती हैं। इस तरह अंक तालिका में शीर्ष 2 में रहने पर आपको दो अवसर प्लेऑफ में जाने के मिलते हैं। इस बार प्लेऑफ मुकाबले तीन शहरों में रखे गये हैं। अभी तक क्वालीफायर 1 और एलिमिनेटर मैच एक मैदान पर, जबकि क्वालीफायर 2 और फाइनल दूसरे मैदान पर खेला जाता था, लेकिन इस बार क्वालीफायर 1 अलग, एलिमिनेटर और क्वालीफायर 2 अलग और फाइनल अलग मैदान पर खेला जाएगा।

प्लेऑफ कार्यक्रम

क्वालीफायर 1 – मंगलवार 26 मई – एचपीसीए स्टेडियम, धर्मशाला

एलिमिनेटर – बुधवार 27 मई – न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़

क्वालीफायर 2 – शुक्रवार 29 मई – न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़

फाइनल – रविवार 31 मई – नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद।

रोहित पहले ही खेलना चाहते थे पर मैंने रोका था : कोच जयवर्धने

एजेंसी, मुम्बई

मुम्बई इंडियंस क्रिकेट टीम के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा एक सप्ताह पहले ही फिट हो गये थे और खेलने के लिए तैयार थे पर उन्होंने ही रोहित को कुछ और दिनों आराम दिया था। इसका कारण ये था कि रोहित हैमस्ट्रिंग चोट से उबरे थे। रोहित ने इसके बाद वापसी करते हुए ए लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 84 रनों की शानदार पारी खेलकर टीम को जीत दिलायी थी।

जयवर्धने ने कहा कि रोहित अपनी हैमस्ट्रिंग चोट के बाद मैदान पर लौटने के लिए उत्सुक थे पर इस

बार हमने उनके साथ थोड़ा और धैर्य रखा। आमतौर पर वह एक हफ्ते में ही लौट आते हैं, लेकिन हमने उन्हें एक अतिरिक्त सप्ताह दिया ताकि वह पूरी तरह तैयार हो सकें और अपनी इच्छानुसार खेल सकें। ये फैसला इसलिए लिया गया ताकि वह दौरान चोटिल न हो। टीम चाहती थी कि वह पूरी तरह से फिट होकर वापसी करें।

रोहित आरसीबी के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करने के दौरान ही चोटिल हो गये थे। उनकी उनकी अनुपस्थिति में मुंबई इंडियंस ने कई प्रयोग किये क्योंकि टीम उस दौरान टीम खराब दौर से गुजर रही थी। तीन सप्ताह के बाद रोहित ने अच्छी वापसी की। इस सत्र की पांच पारियों में उनके नाम 221 रन हैं, जिसमें उनका औसत 55.25 और प्रभावशाली स्ट्राइक रेट 174.01 रहा है। इस सत्र में उनके नाम दो अर्धशतक भी हैं, जो उनकी फॉर्म और टीम में उनके महत्व को दर्शाते हैं।वापसी के बाद, लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ रोहित ने रयान रिकेल्टन के साथ मिलकर 65 गेंदों में 143 रन की साझेदारी की।अब रोहित 10 मई को रायपुर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से खेलते दिखेंगे। प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए, मुंबई इंडियंस को अपने बाकी बचे चारों मैच जीतना अनिवार्य है।

वैभव के लिए टेस्ट टीम में जगह बनाना आसान नहीं रहेगा : संजय मांजरेकर

एजेंसी, मुम्बई

पूर्व क्रिकेटर से कमेंटेटर बने संजय मांजरेकर ने कहा है कि युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने टी20 क्रिकेट में धूम मचा रखी है पर उनके लिए राष्ट्रीय टेस्ट टीम में जगह बनाना आसान नहीं रहेगा। मांजरेकर ने माना कि जिस प्रकार से वैभव 15 साल की उम्र में खेल रहे हैं उससे वह भारतीय टीम में जगह बनाने लिए सभी योग्यताएं हासिल कर चुके हैं। उनका मानना है कि वैभव अंतररष्ट्रीय क्रिकेट के लिए पूरी तरह से तैयार नजर आते हैं हालांकि ये उनक लिए आसान नहीं रहेगा।

इसका कारण है कि भारतीय टीम के पास पहले से ही शुभमन गिल और यशस्वी जयसवानल जैसे बेहतरीन सलामी बल्लेबाज हैं। वैभव ने अपने पिछले साल के पहले आईपीएल सत्र में ऐतिहासिक शतक लगाकर क्रिकेट जगत को हैरान किया दिया था। इसके बाद, उन्होंने घरेलू क्रिकेट और अंडर-19 स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। इस साल के अंडर-19 विश्व कप फाइनल में भी उनकी 175 रनों की रिकार्ड पारी भी शामिल रही। ऐसे में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से आईपीएल के तुरंत बाद उन्हें सीधे राष्ट्रीय टीम में शामिल करने की मांग बढ़ गयी थी। मांजरेकर भी मानते हैं कि वह टी20 टीम के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, आईपीएल को भारतीय टी20 टीम में जगह बनाने के एक मंच के तौर पर देखते हुए, और साथ ही सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उनके प्रदर्शन पर भी नजर रखते हुए। जहां उन्होंने महाराष्ट्र के ख़िलाफ़ एक शतक भी बनाया है।

राहुल के पास आई ऑरेंज कैप , पर्पल कैप पर भुवनेश्वर का कब्जा बरकरार

एजेंसी, मुम्बई। दिल्ली कैपिटल्स और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच हुए आईपीएल मुकाबल के बाद सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप के दावेदारों में बदलाव आया है हालांकि सबसे अधिक विकेट लेने के लिए मिलनी वाली पर्पल कैप में कोई बदलाव नहीं आया है। दिल्ली के बल्लेबाज केएल राहुल ने सीएसके के खिलाफ मुकाबले में केवल 12 रन बनाए पर इसके बाद भी वह ऑरेंज कैप की सूची में नंबर एक पर पहुंच गयी हैं। राहुल के अब 10 मैचों में 49.44 की शानदार औसत से 445 रन हो गये हैं। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा दूसरे नंबर पर खिसक गये हैं।

अभिषेक के नाम 10 मैचों में 48.88 की औसत से 440 रन दर्ज हैं। सनराइजर्स के ही हेनरिक क्लासेन 10 मैचों में 425 रनों के साथ ही तीसरे नंबर पर हैं। वहीं सीएसके के संजू सैमसन ने दिल्ली के खिलाफ नाबाद 87 रनों की पारी खेलकर ऑरेंज कैप की रेस में लंबी छलांग लगाई है। सैमसन अब 10 मैचों में 57.42 के औसत से 402 रन बनाकर पांचवें स्थान पर आ गए हैं। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज विराट अब आठवें स्थान पर फिसल गए हैं। विराट ने 9 मुकाबलों में 54.14 की औसत से 379 रन बनाए हैं।

विश्व कप फुटबॉल से पहले ईरान और पेरु के साथ अभ्यास मैच खेलेगा स्पेन

एजेंसी, मैड्रिड

स्पेन की फुटबॉल टीम विश्व कप 2026 की अपनी तैयारियों को बेहतर बनाने के लिए ईरान के साथ 4 जून को एक अभ्यास मैच खेलेगी। स्पेनिश टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि यह मुकाबला टीम के लिए टूर्नामेंट से पहले अपनी रणनीति और खिलाड़ियों की फिटनेस को परखने का एक अहम अवसर होगा, विशेष रूप से जब टीम को कई प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों से जूझना पड़ रहा है। गौरतल है कि यूरोपीय चैंपियन होने के कारण स्पेन विश्व कप 2026 के प्रबल दावेदारों में से

एक है। । ईरान के खिलाफ ये मैच टीम के लिए मेक्सिको दौरे से पहले अंतिम घरेलू परीक्षा होगा, जिसके बाद वे पुएब्ला में पेरू के खिलाफ एक और अभ्यास मैच खेलेंगे। इन मुकाबलों का लक्ष्य टीम संयोजन को समझना, नई रणनीतियों का परीक्षण करना और युवा प्रतिभाओं को बड़े मंच के लिए तैयार करना है, जिससे वे विश्व कप में वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें।

स्पेन टीम के मुख्य कोच लुइस डी ला फोंट के सामने अभी खिलाड़ियों का फि नहीं होनो एक बड़ी चुनौती है। कोच ने साफ किया है कि वे टीम चयन से पहले खिलाड़ियों की फिटनेस पर विशेष ध्यान दे रहे हैं, क्योंकि कई अहम खिलाड़ी चोटों से जूझ रहे हैं। ला लीगा सीज़न के समाप्त होने के बाद 24 मई को टीम की अंतिम घोषणा की जाएगी । खिलाड़ियों की शारीरिक और मानसिक तैयारी विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में सफलता के लिए अहम होती है।

बिजनेस

डेरिवेटिव्स में एनएसई की लीडरशिप और मजबूत हुई, मार्केट शेयर की रफ्तार बनी रही

एनएसई ने कहा-अप्रैल में एक्सपायरी डे की छुट्टियों की वजह से वॉल्यूम में आई गिरावट

एजेंसी, नई दिल्ली/मुंबई

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने इक्विटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में अपनी लीडरशिप को फिर से साबित किया है। एनएसई की नेतृत्व प्रदर्शन का मूल्यांकन प्रीमियम टर्नओवर के आधार पर किया जाता है, जो एक उद्योग संबंधी मानक पैमाना है और असल आर्थिक गतिविधियों को दिखाता है।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने 2026 की पहली तिमाही में साफ तौर पर ऊपर की ओर जाने का रुझान दिखाया है। इसके इंडेक्स ऑप्शंस का मार्केट शेयर जनवरी में 66.7 फीसदी से लगातार बढ़कर मार्च में 72.1 फीसदी हो गया। ये 540 बेसिस पॉइंट्स की बढ़ोतरी है, जो इसके अंदरूनी मज़बूत ग्रोथ की रफ़्तार को दिखाता है। अप्रैल के महीने में जब छुट्टियों की वजह

से बाजार में उतार-चढ़ाव था, तब भी एनएसई ने इंडेक्स ऑप्शंस में 62.9 फीसदी और कुल एफएंडओ प्रीमियम टर्नओवर में 86.8 फीसदी का दबदबा वाला शेयर बनाए रखा, जो बाजार में उसकी लगातार लीडरशिप को दिखाता है।

कंपनी ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि मंगलवार को पड़ने वाली मार्केट छुट्टियों की वजह से अप्रैल में फ्यूचर्स और ऑप्शंस (एफएंडओ) सेगमेंट में ट्रेडिंग वॉल्यूम पर असर पड़ा। कंपनी के मुताबिक दो अहम हफ्तावार एक्सपायरी सेशन, जो ट्रेडिंग वॉल्यूम के लिए बहुत जरूरी होते हैं। इसमें मंगलवार को छुट्टियों की वजह से नहीं हो पाए, क्योंकि मंगलवार को एनएसई के मुख्य निफ्टी कॉन्ट्रैक्ट्स की एक्सपायरी होती है। इसके उलट गुरुवार को एक्सपायर होने वाले प्रतिद्वंद्वी कॉन्ट्रैक्ट्स पर कोई असर नहीं पड़ा, जिससे रिपोर्ट की गई गतिविधि में कुछ समय के लिए असंतुलन पैदा हो गया, इसमें बड़ा रुझान बाजार की स्थिति में सुधार और मज़बूती का संकेत देता है।

नोशनल गणनाएं इंडेक्स की ऊंची कीमतों की वजह से प्रतिद्वंद्वियों के शेयर को कृत्रिम रूप से बढ़ा देती हैं, जिससे 19 फीसदी पॉइंट्स तक का अंतर आ जाता है। इसके विपरीत, प्रीमियम टर्नओवर वैश्विक बेहतरीन तरीकों के अनुरूप है और सेबी जैसे रेगुलेटरों और संस्थागत निवेशकों द्वारा इसका उपयोग किया जाता है।

एक्सचेंज के मुताबिक एनएसई की लीडरशिप की स्थिति साफ बनी हुई है और इसकी बाजार स्थिति मजबूत है, विकास की रफ़्तार बरकरार है, और उतार-चढ़ाव ज़्यादातर तकनीकी है। एक्सचेंज भारत के डेरिवेटिव्स बाजार पर अपना दबदबा बनाए हुए है, जिसे गहरी लिक्विडिटी, संस्थागत विश्वास और संरचनात्मक रूप से मज़बूत पैमानों का समर्थन प्राप्त है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से आज पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज बढ़त के साथ कारोबार करता होने जा रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं, एशियाई बाजार में भी आज चौतरफा तेजी का रुख बना हुआ है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के थमने की उम्मीद के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। इस उत्साह के कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स 350 अंक की मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.81 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,259.22 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार काम किया। इसके अलावा नैस्डेक 258.32 अंक यानी 1.03 प्रतिशत उछल कर 25,326.13 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 100.85 अंक यानी 0.20 प्रतिशत की छलांग लगा कर 49,399.10 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

मंडाविया गुरुवार को राष्ट्रव्यापी निःशुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जांच पहल का करेंगे शुभारंभ

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया गुरुवार, 7 मई को राष्ट्रव्यापी निःशुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जांच पहल का शुभारंभ करेंगे। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि डॉ. मनसुख मंडाविया, 7 मई को 40 वर्ष और उससे अधिक आयु के श्रमिकों के लिए एक राष्ट्रव्यापी वार्षिक स्वास्थ्य जांच पहल की शुरुआत करेंगे, जिसका प्रस्ताव नए श्रम संहिताओं के तहत किया गया है। मंत्रालय के मुताबिक केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री इस पहल का औपचारिक उद्घाटन कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, बसई दारापुर, नई दिल्ली से करेंगे। इसके साथ ही देशभर के 11 अन्य ईएसआईसी अस्पतालों में भी एक साथ उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें संबंधित राज्यों के श्रम मंत्री, संसद सदस्य (एमपी), विधानसभा सदस्य (एमएलए) और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने कहा

कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस विजन के अनुरूप है, जो व्यापक "श्रमेव जयते" फ्रेमवर्क के तहत आता है। यह फ्रेमवर्क श्रमिकों के लिए श्रम की गरिमा और मजबूत सामाजिक सुरक्षा पर ज़ोर देता है। इस पहल का आधार चार नए श्रम संहिताओं के माध्यम से लाए गए वे परिवर्तनकारी सुधार हैं, जो 29 केंद्रीय श्रम कानूनों को चार व्यापक स्तंभों के अंतर्गत एकीकृत करते हैं। इन सुधारों का उद्देश्य अनुपालन को सरल बनाना, रोज़गार के औपचारिकरण को बढ़ावा देना और सामाजिक सुरक्षा के दायरे का विस्तार करना है। मंत्रालय ने बताया कि ईएसआई योजना के तहत आने वाले लाभार्थियों के लिए, ये जांचें ईएसआईसी के अस्पतालों के बड़े नेटवर्क के ज़रिए की जाएंगी, जिसमें बीमारी का शुरुआती दौर में ही पता लगाने, बचाव से जुड़े स्वास्थ्य उपायों और लगातार स्वास्थ्य पर नज़र रखने पर खास ज़ोर दिया जाएगा। यह राष्ट्रव्यापी पहल व्यावसायिक स्वास्थ्य प्रणालियों को सुदृढ़ करने, भारत के कार्यबल के लिए व्यापक स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच सुनिश्चित करने और 'विकसित भारत 2047' के विज़न को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज के शुरुआती कारोबार के दौरान कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। सोने के भाव में आज 400 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 440 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट आई है। इसी तरह चांदी आज 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गया है। कीमत में गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,49,170 रुपये से लेकर 1,50,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,36,740 रुपये से लेकर 1,38,190 रुपये प्रति 10 ग्राम

के बीच बिक रहा है। वहीं, चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज शुरुआती कारोबार के दौरान 2,54,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,49,320 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,49,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,49,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,50,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,38,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

शुरुआती कारोबार में बढ़त के बाद बना दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी ऊपरी स्तर से लुढ़के

एजेंसी, नई दिल्ली

नई दिल्ली । घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान ऊपरी स्तर से दबाव बनता हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में और तेजी आ गई। हालांकि थोड़ी देर बाद ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इनकी चाल में गिरावट का रुख बन गया। राहत की बात यही रही कि बिकवाली होने के बावजूद ये दोनों सूचकांक लगातार हरे निशान में ही कारोबार करते रहे। पहले घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.34 प्रतिशत और निफ्टी 0.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इंटर ग्लोब एविएशन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, ट्रेंट लिमिटेड, बजाज ऑटो और बजाज फिनसर्व के शेयर 3.17 प्रतिशत से लेकर 1.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, लार्सन एंड टूब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाइटन कंपनी, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन और ओएनजीसी के शेयर 3.34 प्रतिशत से लेकर 0.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,777 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी।

अप्रैल में भारत का इस्पात उत्पादन और खपत बढ़ी, सभी श्रेणियों की कीमतों में सुधार

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत के इस्पात क्षेत्र ने अप्रैल 2026 में अपनी विकास गति को बनाए रखी है। बुनियादी ढांचे और विनिर्माण क्षेत्रों में मज़बूत घरेलू मांग के चलते उत्पादन और खपत में वृद्धि दर्ज की गई है। इस्पात मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल में कच्चे स्टील का उत्पादन 14.09 मिलियन टन रहा, जो अप्रैल 2025 के 13.31 मिलियन टन की तुलना में 5.8 फीसदी की सालाना (साल-दर-साल) बढ़ोतरी है। इस दौरान तैयार स्टील का उत्पादन बढ़कर 13.05 मिलियन टन हो गया, जिसमें सालाना आधार पर 3.4 फीसदी की वृद्धि हुई। वहीं, तैयार स्टील

की खपत भी 12.99 मिलियन टन तक पहुंच गई, जो 8.1 फीसदी की वृद्धि है। मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि यह वृद्धि निर्माण, बुनियादी ढांचे और विनिर्माण जैसे अंतिम-उपयोग वाले क्षेत्रों में लगातार बनी हुई तेजी को दर्शाती है। इस दौरान हॉट मेटल उत्पादन में भी साल-दर-साल 5.4 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि इस महीने पिग आयरन का उत्पादन 6 फीसदी घटकर 0.69 मिलियन टन रह गया। मंत्रालय ने बताया कि व्यापार के मोर्चे पर भारत एक मामूली शुद्ध आयातक बना रहा, जहां आयात 0.68 मिलियन टन और निर्यात 0.47 मिलियन टन रहा। इसकी तुलना में अप्रैल 2025 में आयात 0.52 मिलियन टन और निर्यात 0.38 मिलियन टन रहा था। इस प्रकार अप्रैल 2026 में आयात और निर्यात में क्रमशः 30.8 फीसदी और 24.9 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। इस्पात मंत्रालय के मुताबिक वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की कुल स्टील क्षमता लगभग 220 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) रही, जो 2030 तक 300 एमटीपीए के राष्ट्रीय स्टील नीति लक्ष्य की ओर बढ़ रही है।

नागार्जुन की 100वीं फिल्म किंग 100 को मिला तब्बू का साथ, 28 साल बाद दोनों की दमदार वापसी

साउथ के दिग्गज सुपरस्टार अक्किनेनी नागार्जुन अपनी 100वीं फिल्म को लेकर काफी समय से चर्चा में हैं। रा कार्तिक द्वारा निर्देशित इस फिल्म का अस्थायी शीर्षक किंग100 है, जिसमें उन्हें मुख्य किरदार में देखा जाएगा। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए बताया कि फिल्म प्री-प्रोडक्शन से मुख्य शूटिंग चरण में पहुंच चुकी है। शूटिंग कई चरणों में होने की उम्मीद है। इसमें तब्बू एक अहम किरदार निभाएंगी जो नागार्जुन के साथ उनकी वापसी का संकेत होगा।

दिग्गज अभिनेता ने तब्बू के साथ अपने रिश्ते पर बात की थी। उन्होंने कहा था, “हमारा रिश्ता बहुत पुराना है। मैं उन्हें तब से जानता हूं जब उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी। और जब तब्बू को पता चला कि मैं अपनी 100वीं फिल्म कर रहा हूं, तो वह इसका हिस्सा बनना चाहती थीं।” बता दें, नागार्जुन और तब्बू को आखिरी बार फिल्म आविदा मां आविडे (1998) में साथ देखा गया था। किंग100 का निर्माण नागार्जुन के अपने बैनर अन्नपूर्णा स्टूडियो के तहत किया जा रहा है। इसकी कहानी से जुड़ी जानकारी अभी गुप्त है, लेकिन निर्माता इसे एक भावनात्मक गहराई वाली मुख्यधारा की सिनेमाई फिल्म के रूप में प्रस्तुत करने वाले हैं। फिल्म को तेलुगु के अलावा, हिंदी, तमिल समेत अन्य भाषाओं में रिलीज किए जाने की योजना है। नागार्जुन आखिरी बार रजनीकांत की फिल्म कुली में नजर आए थे, जबकि तब्बू को अक्षय कुमार की भूत बंगला में गया है।

मोहनलाल और ममूटी की पैट्रियट ने दुनियाभर में किया धमाका, दो दिन में 50 करोड़ का आंकड़ा किया पार

सुपरस्टार मोहनलाल और ममूटी की फिल्म पैट्रियट ने दुनियाभर में तहलका मचा दिया है. फिल्म ने दो दिन में ही 50 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है. ओवरसीज मार्केट में फिल्म धमाका कर रही है. आइए जानते हैं फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के बारे में. सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने वर्ल्डवाइड 50.23 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. ओवरसीज मार्केट में फिल्म ने 31.50 करोड़ कमा लिए हैं. फिल्म ने दूसरे दिन ओवरसीज मार्केट में 15 करोड़ की कमाई की. बता दें कि फिल्म ने इंडिया में टोटल ग्रॉस 18.73 करोड़ कमाए. वहीं नेट 16.15 करोड़ कमाए. फिल्म ने पहले दिन 10 करोड़ का कलेक्शन किया. वहीं दूसरे दिन फिल्म की कमाई में थोड़ी कमी देखने को मिली. फिल्म ने 6.15 करोड़ कमाए. फिल्म को पहले दिन 2636 शोज मिले. वहीं फिल्म को दूसरे दिन 2374 शोज मिले. अब रविवार को फिल्म की कमाई में इजाफा होने की उम्मीदें हैं. फिल्म को शानदार रिव्यूज मिले हैं. अब रविवार को पॉजिटिव वर्ड ऑफ माउथ का फायदा मिलने की उम्मीदें हैं. फिल्म में मोहनलाल और ममूटी की सुपरस्टार जोड़ी को भी पर्दे पर साथ देखने के लिए फैंस एक्साइटेड हैं. फिल्म का रनटाइम 2 घंटे 57 मिनट है. फिल्म में मोहनलाल और ममूटी के अलावा राजीव मेनन, नयनतारा, फहाद फासिल, रेवथी जैसे स्टार्स हैं. फिल्म को महेश नारायणन ने बनाया है. फिल्म सिर्फ मलयालम भाषा में रिलीज हुई है. फिल्म सिर्फ मलयालम भाषा में रिलीज हुई है. फिल्म का म्यूजिक सुशीन श्याम ने कंपोज किया है. बता दें कि पैट्रियट के साथ फिल्म राजा शिवाजी, एक दिन जैसी फिल्में भी रिलीज हुई हैं. राजा शिवाजी को बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. वहीं एक दिन का बॉक्स ऑफिस पर हाल बुरा है.

‘पति पत्नी और वो दो का नया गाना ‘दिल वाले चोर रिलीज, रोमांस और मस्ती का शानदार मेल

अभिनेता आयुष्मान खुराना कॉमेडी ड्रामा फिल्म पति पत्नी और वो दो के जरिए दर्शकों को अपने चुलबुले अंदाज से गुदगुदाने के लिए तैयार हैं। शनिवार को मेकर्स ने फिल्म का नया गाना दिलवाले चोर रिलीज कर दिया। टी-सीरीज ने गाने का क्लिप को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, इश्क दी डोरी और दिल दी चोरी दोनों एक साथ। गाना दिलवाले चोर रिलीज कर दिया गया है। यह एक ऐसा गाना है, जो दिल को बहुत सुकून देता है। इस संगीत की लाइनें काफी कैची हैं, जो दर्शकों को दीवाना बना रही है। गाने का संगीत आधुनिक और क्लासिक मेलोडी का एक बेहतरीन मिश्रण है। गाने को आदित्य रिखारी और श्रेया घोषाल ने मिलकर गाया है, जबकि इसके लिरिक्स कुमार ने लिखे हैं और रोचक कोहली ने इसका संगीत तैयार किया है। वहीं, गाने में आयुष्मान और सारा अली खान की केमिस्ट्री सभी का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। गाने में दोनों इश्क फरमाते नजर आ रहे हैं। गाने के बोल आधुनिक रोमांस को बखूबी दर्शाते हैं, जिसमें प्यार की शरारत और दिल को छू लेने वाली भावनाएं घुली हुई हैं। पीयूष-साजिया ने इस गाने को कोरियोग्राफ किया है। यह मेलोडी न केवल प्यार और चाहत की कहानी बुनती है, बल्कि इसमें एक चंचल चार्म भी है जो दर्शकों को खुद से जोड़े रखता है। इससे पहले फिल्म का गाना रूप दी रानी रिलीज किया गया था। इस गाने को भी फैंस ने काफी पसंद किया था। फिल्म पति पत्नी और वो दो में सारा अली खान और आयुष्मान खुराना के अलावा, रकुल और वामिका गब्बी मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म प्रयागराज की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जो गलतफहमियों और हास्य के साथ रोमांस पेश करती है। मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित फिल्म पति पत्नि और वो दो का निर्माण भूषण कुमार, रेणु रवि चोपड़ा ने किया है। यह 2019 की हिट फिल्म ‘ पति पत्नी और वो फ्रेंचाइजी की दूसरी फिल्म है। इस फिल्म में जहां कानपुर के इंजीनियर चिंटू त्यागी के विवाहेतर संबंध को मजेदार अंदाज में पर्दे पर दिखाया गया था। फिल्म पति पत्नि और वो दो 15 मई को पूरे देश में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अनुपमा की किंजल बनने वाली थी तुलसी की बेटी परी, निधि शाह ने खुद किया ये बड़ा खुलासा

टीवी एक्ट्रेस निधि शाह लगातार सुर्खियां बटोरती हुई नजर आ रही हैं. अनुपमा में किंजल की भूमिका निभाकर घर-घर में अपनी पहचान बनाने वाली निधि शाह ने हाल ही में एक मजेदार किस्सा शेयर किया है. निधि शाह ने खुलासा किया कि उन्हें स्मृति ईरानी के शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 में तुलसी की बेटी परी का रोल निभाने के लिए चुना गया था. निधि ने इस बारे में बात करते हुए कहा,मुझे तुलसी की बेटी का किरदार निभाना था. लेकिन किसी वजह से बात नहीं बन पाई. इसलिए हमें अलग रास्ते को चुनना पड़ा. स्मृति जी सच में एक लीजेंड हैं. बचपन में यहां तक कि जब मैं बहुत छोटी थी, तब भी मैं अपने परिवार के

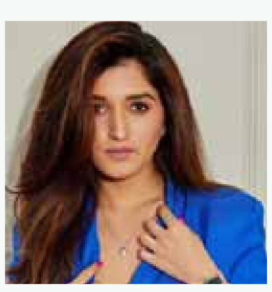

साथ क्योंकि सास भी कभी बहू थी देखा करती थी और आज भी वो पल मुझे याद है. उनका टीवी पर वापसी करना काफी बड़ी और खास बात है. स्मृति ईरानी के कमबैक करने की खबर ने खूब सुर्खियां बटोरी. 2000 में इस शो का टेलीकास्ट हुआ था. इस शो के जरिए स्मृति ईरानी को घर-घर में पहचान मिली थी.तुलसी का कैरेक्टर इंडियन टेलीविजन के इतिहास के सबसे यादगार किरदारों में से एक माना जाता है. ऐसे में क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 से दर्शकों की उम्मीद बहुत ज्यादा है. मालूम हो क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 में निधि को जिस कैरेक्टर के लिए चुना गया था, वो शगुन शर्मा प्ले कर रही हैं. आपको बता दें अनुपमा में किंजल के रोल में निधि शाह को खूब पसंद किया जाता था. लेकिन, डेढ़ से दो साल पहले उन्होंने शो को अलविदा कह दिया. उनके शो छोड़ने के पीछे की वजह रुपाली गांगुली संग अनबन को बताया गया था.

रेड ड्रेस में कियारा आडवाणी का दिखा कातिलाना अंदाजा, फिल्म की स्क्रीनिंग में लूट ली महफिल

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी एक बार फिर अपने लुक को लेकर चर्चा में है. हाल ही में वो मुंबई में द डेविल वेयर्स प्रादा 2 की स्क्रीनिंग में नजर आई थीं, जिसमें उनके ग्लैमरस और एलिगेंट लुक ने हर किसी का ध्यान खींच लिया. इसी बीच कियारा ने कई तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की है, जिसमें वो बहुत ही खूबसूरत लग रही हैं. तो आइए उनके लुक पर एक नजर डालते है.

कियारा का रेड बॉडी-हगिंग गाउन बहुत एलिगेंट है, जिसका हाई नेक डिजाइन उन्हें ग्लैमरस बना रहा है. ये ड्रेस उनकी फिगर को खूबसूरती से हाइलाइट कर रही हैं. उनके बाल सॉफ्ट वेव्स में खुले हुए हैं, जो मिडल पार्टिंग के साथ स्टाइल किए गए हैं. हेयरस्टाइल बहुत स्मूद और शाइनी लग रहा है, जो उनके पूरे लुक को क्लासी टच देता है. कियारा ने न्यूड और ग्लोइंग मेकअप रखा है, जिसमें सॉफ्ट आईशैडो, डिफाइंड ब्रोज और न्यूड लिपस्टिक है. उन्होंने मिनिमल ज्वेलरी पहनी है, जिसमें बड़े गोल्डन स्टेटमेंट ईयररिंग्स और हाथ में कुछ ब्रेसलेट्स दिखाई दे रहे हैं. ये एक्सेसरीज उनके रेड ड्रेस के साथ परफेक्ट कॉन्ट्रास्ट बनाते हैं. कियारा ने मैचिंग रेड हाई हील्स पहनी हैं, जो उनके आउटफिट के साथ बिल्कुल मैच कर रही हैं. हील्स का डिजाइन शाइनी है, जो उनके पूरे लुक को और भी स्टाइलिश बना रहा है. बता दें कि कियारा जल्द ही साउथ सुपरस्टार यश की आने वाली फिल्म टॉक्सिक: ए फेयरीटेल ग्रोन अप्स में नजर आएंगी. ये फिल्म 4 जून को रिलीज होने वाली थी, हालांकि मेकर्स ने इसे पोस्टपोन कर दिया है. अभी इसकी दूसरी तारीख सामने नहीं आई है. इस फिल्म में उनके साथ यश, रुक्मिणी वसंत, हुमा कुरैशी, नयनतारा और तारा सुतारिया जैसी कलाकार दिखाई देंगी.

जुनैद खान की एक दिन का बॉक्स ऑफिस पर बुरा हाल, दूसरे दिन कमाए सिर्फ इतने

आमिर खान के बेटे जुनैद खान की फिल्म एक दिन शुक्रवार को रिलीज हुई. इस रोमांटिक ड्रामा में जुनैद खान को साई पल्लवी के अपोजिट रोल में देखा गया. साई पल्लवी ने इस फिल्म से बॉलीवुड डेब्यू किया है. इस फिल्म को लेकर काफी चर्चा थी. आमिर खान ने खुद इस फिल्म का प्रमोशन किया. लेकिन फिल्म को अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है. फिल्म के रिव्यूज भी खराब थे. आइए जानते हैं दो दिनों में फिल्म ने कितना कलेक्शन कर लिया.

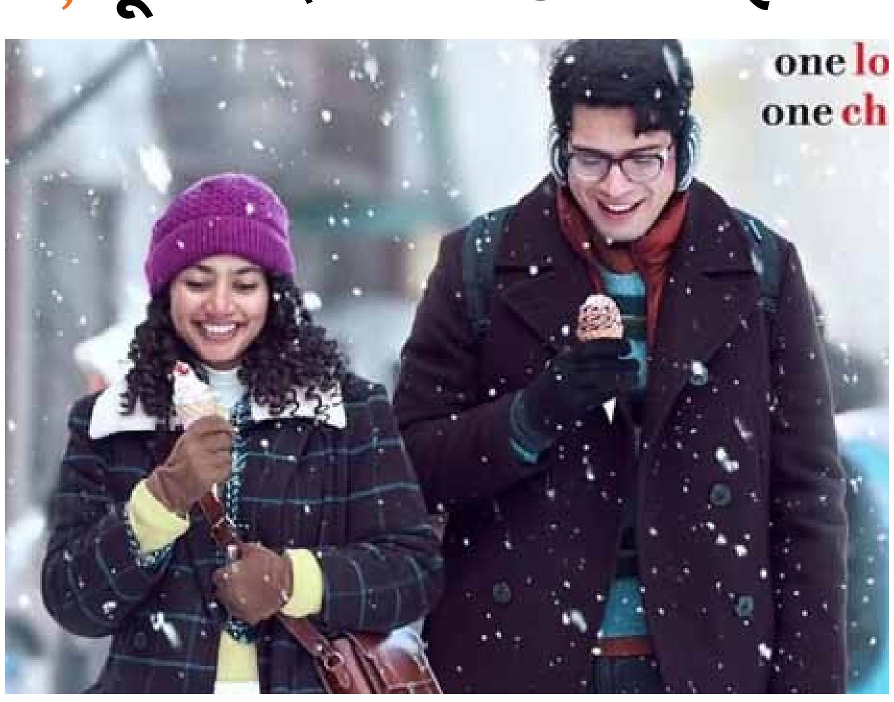

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने दूसरे दिन सिर्फ 1 करोड़ का कलेक्शन किया. फिल्म को 1765 शोज मिले और 14 .2 परसेंट की ऑक्यूपेंसी मिली. फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगू तीनों भाषा में रिलीज हुई है .दूसरे दिन हिंदी में फिल्म ने 90 लाख कमाए. वहीं तमिल में 2 लाख और तेलेगू में 8 लाख कमाए. फिल्म का टोटल कलेक्शन 2 .15 करोड़ हो गया है. मालूम हो कि फिल्मके दूसरे दिन के कलेक्शन के आंकड़े अभी ऑफिशियली सामने नहीं आए हैं. फिल्म ने पहले दिन 1 .15 करोड़ कमाए थे. फिल्म को 14 .3 परसेंट ऑक्यूपेंसी मिली और फिल्म को 1961 शोज मिले थे. बता दें कि इस फिल्म के साथ रितेश देशमुख की राजा शिवाजी भी रिलीज हुई है और फिल्म को अच्छे रिव्यूज मिले हैं. राजा शिवाजी को मिल रहे पॉजिटिव रिस्पॉन्स का असर भी एक दिन पर पड़ा है. फिल्म को सुनील पांडे ने डायरेक्ट किया है. इस फिल्म को आमिर खान ने प्रोड्यूस किया है. ये फिल्म 2016 में आई थाई फिल्म वन डे का रीमेक है. फिल्म में दिखाया गया कि एक आदमी अपनी कलीग के प्यार में पड़ता है लेकिन वो उससे अपनी फीलिंग बयां नहीं कर पाता है. वो उसके साथ रहना चाहता है सिर्फ एक दिन के लिए. और आखिर में उसकी वो विश भी पूरी होती है. एक दिन की भी कहानी ये ही है.

एयर कूलर की इन तरीकों से करें सफाई, लंबे समय तक मिलेगा फायदा

गर्मियों के दौरान घर को ठंडा रखने में एयर कूलर काफी मदद कर सकता है। हालांकि, अगर आप इसे सही तरीके से इस्तेमाल नहीं करते हैं तो इससे घर को ठंडक देने के बजाय गर्मी महसूस होने लगती है। इसके अलावा एयर कूलर की लगातार इस्तेमाल से इसके पंखे के ब्लेड और पानी के पंप में गंदगी जमने लगती है, जिससे इसका ठंडक देने का असर कम हो जाता है।

एयर कूलर की बाहरी सफाई करें

एयर कूलर की बाहरी सफाई के लिए सबसे पहले इसे बंद कर दें, फिर इसके पंखे के ब्लेड, जाली और सामने के हिस्से को गर्म पानी और लिक्विड साबुन से साफ करें। इसके अलावा एयर कूलर के बाहरी हिस्से पर लगे धूल के कणों को हटाने के लिए उसे कपड़े से पोंछें। अगर आपके एयर कूलर पर कोई निशान है तो उसे हटाने के लिए टूथपेस्ट और पानी का मिश्रण बनाकर उससे साफ करें। इससे कूलर चमकदार दिखेगा। एयर

कूलर के पानी की टंकी को साफ करने के लिए सबसे पहले इसे बंद करें, फिर टंकी के पानी को बाहर निकालकर इसे गर्म पानी से भरें। इसके बाद टंकी में 2-3 कप सफेद सिरका डालें और इसे 15 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। समय पूरा होने के बाद टंकी को पानी से भरकर उसका पानी बाहर निकाल दें। इस तरह से टंकी की सफाई से इसमें मौजूद गंदगी दूर हो जाएगी। एयर कूलर के पानी के पंप के लिए गर्म पानी और लिक्विड साबुन का घोल बनाकर उसमें एक कपड़ा भिगोएं, फिर उससे पानी के पंप को साफ करें। इसके अलावा पानी के पंप की सफाई के लिए आप टूथपेस्ट और पानी के मिश्रण का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे पानी के पंप की सफाई के साथ-साथ एयर कूलर की ठंडक देने की क्षमता भी बढ़ेगी। एयर कूलर के पंखे को साफ करने के लिए सबसे पहले इसे बंद करें, फिर एक गीला कपड़ा लेकर उससे पंखे के ब्लेड को साफ करें। इसके बाद पंखे के ब्लेड पर टूथपेस्ट और पानी का मिश्रण लगाएं, फिर एक सूखे कपड़े से पंखे को पोंछ लें। अगर आप पंखे को साफ करने के लिए टूथपेस्ट का इस्तेमाल नहीं करना चाहते हैं तो उसके लिए सिरके और पानी के घोल का इस्तेमाल करें।

Original Sabarimala PIL should've been binned: Supreme Court

New Delhi, Agency: A nine-judge Supreme Court bench led by CJI Surya Kant on Tuesday said the SC in 2006 should have outrightly "thrown in the dustbin' the original PIL that led to quashing of Sabarimala Ayyappa Temple custom restricting entry of women in the 10 to 50 age group. "All India Young Lawyers Association', which filed the PIL in 2006 through its president Naushad Ali, narrated through senior advocate RP Gupta how a misconduct by the thantri of Ayyappa temple led to filing of the petition challenging the restriction.

The bench led by CJI Kant said SC at best could have ordered investigations into the misconduct to bring the guilty to the book. But based on newspaper reports, the PIL could not have been entertained, it said.

The bench said, "SC had entertained the PIL based on 'such documents', which should have been thrown in the dustbin. Locus standi was generated based on newspaper reports. SC should have ensured that action against the offender is expedited and nothing more."

The nine-judge bench consists of CJI Kant, Justices B V Nagarathna, M M Sundresh, Ahsanuddin Amanullah, Aravind Kumar, Augustine G Masih, Prasanna B Varale, R Mahadevan and Joymalya Bagchi. Justice Kumar asked whether the lawyers' body had passed a resolution for filing the PIL and whether it was a registered body.

Iron barrier falls, road to Mamata Banerjee's home open to public

Kolkata, Agency: Crown gone. Fortress laid bare. Less than 24 hours after BJP's Bengal sweep - and shocking defeat of Mamata Banerjee in bastion Bhowanipore - a quieter, but equally symbolic, shift unfolded on the streets.

The elaborate security grid that for years defined the approach to Didi's home at 30B Harish Chatterjee Street in nearby Kalighat began to dissolve with striking speed. Along Harish Chatterjee Street, near Hazra crossing, metal scissor barricades that once carved the road into controlled corridors were dragged aside and stacked along the edges. The police personnel who regulated entry, stopping residents and passersby for questioning, were conspicuously absent by morning.

For locals, the transformation was immediate, almost disorienting. "We had to slow down, answer questions and carry Aadhaar cards. Relatives had to take detours and we often alerted the cops in advance about their arrival," said a neighbour of Mamata.

Tarun Chatterjee, another resident of the lane, rubbed his eyes in disbelief. "When I was passing by Didi's house today, I couldn't believe my eyes. The usual hustle and bustle were missing. Then I saw bikes and cars moving freely. As I drove past Mamata's house, no one questioned me," he said. Narrow alleys connecting Harish Chatterjee Street to Kalighat Road - long sealed off in the name of security - were also reopened, restoring routes that remained inaccessible for years. "It was difficult for us to enter our own homes because of the high-profile security. While we feel sad for our VVIP resident, we are also relieved," said Sudip Karmakar, another resident. Not far away, security layers were peeled off outside the home of Mamata's nephew Abhishek Banerjee, who is TMC general secretary and MP. Police deployment was also scaled down outside Abhishek's office on Camac Street in central Kolkata.

Donald Trump hails PM Modi for 'historic, decisive win'

New Delhi, Agency: US President Donald Trump has congratulated PM Modi on his "historic" election victory, a White House spokesman said Tuesday, in an apparent take on the recent round of assembly polls that were headlined by BJP's big win in West Bengal.

White House spokesman Kush Desai spoke of Trump's warm sentiments for Modi, noting that the US president in their phone call last month expressed his admiration for Modi and "how lucky India is to have him as its leader".

"The President congratulates PM Modi on this recent, historic, and decisive election victory," Desai said. On Monday, BJP ended the 15-year stint of Mamata Banerjee.

Congress paid for dragging Riniki, Zubeen into politics: Himanta Biswa Sarma

Guwahati, Agency: Assam CM Himanta Biswa Sarma on Tuesday attributed Congress's rout to its attempt to politicise singer Zubeen Garg's death, arguing state chief Gaurav Gogoi tasted "crushing" defeat for dragging his wife Riniki Bhuyan Sarma into a passport controversy.

"No party should bring Bhupen Hazarika or Zubeen Garg into poll manifestos... Congress sought votes in Zubeen's name, as they did not have support. It was a cheap political tactic," he said.

On Gaurav's debut debacle on home turf, Jorhat, he blamed a news conference where Khera accused Riniki of holding multiple passports and keeping assets in foreign countries. "Usually, people of Assam don't like it if someone from outside talks about their daughters.

In 82 Bengal seats: No 3 got more votes than winner-loser margin

Kolkata, Agency: In at least 82 assembly seats in Bengal, the candidate in the third position secured more votes than the winning margin, indicating that a sharp vote split between the second- and third-place holders took the winning candidate past the post.For example, Congress candidate Adhir Ranjan Chowdhury lost the Behrampore seat to BJP by 17,548 votes. The Trinamool nominee, who came third, secured 49,586 votes, nearly three times the winning margin, exemplifying how BJP benefited from the split in votes between Congress and Trinamool. Several heavyweight Trinamool candidates, too, lost because of a similar vote split. And, in most cases, CPM played the spoilsport. For instance, Chandrima Bhattacharya would have most likely won Dum Dum North for Trinamool had CPM not fetched 38,428 votes to finish third. BJP won the seat by 26,404 votes.

Aroop Biswas would have easily defeated BJP's Papiya Adhikari in Tollyginge had CPM not taken away 30,335 votes. BJP managed to win here by 6,013 votes. Likewise, Trinamool lost Jadavpur to BJP by 27,716 votes. CPM's Bikash Ranjan Bhattacharya finished third here with 41,148 votes. In Cossipore-Belgachia, Trinamool's Atin Ghosh lost to BJP's Ritesh Tiwary by 1,651 votes.

ED issues lookout notice against Kolkata DCP in laundering case

New Delhi, Agency: ED has issued a lookout circular against Kolkata DCP (Special Branch) Shantanu Sinha Biswas to stop him from leaving the country after he allegedly skipped five summons in a money laundering case. Biswas is a former officerin-charge of Kalighat Police Station, the area in which CM Mamata Banerjee's house is located.

ED had searched Biswas's home last month. He was not present at the time. The case is linked to an alleged syndicate involved in illegal land deals and extortion and led by Biswajit Podder, an elusive historysheeter known as Sona Pappu who faces attempted murder charges among his many cases.

Man linked to Bishnoi network shot in Canada

New Delhi, Agency: A man alleged to be the "accountant" for the Lawrence Bishnoi network in Canada was fatally shot in the lobby of a busy office building in Surrey's Newton neighbourhood Monday afternoon. The deceased went by the alias of 'Sam Kaneda'. Sources said that the role of pro-Khalistan shooters with Indian links was being investigated in the murder which the authorities believe was a targeted execution.

Surrey police said they had responded to reports of gunfire at a complex housing several businesses. Upon arrival, officers discovered a man's body with multiple gunshot wounds.

Integrated Homicide Investigation Team (IHIT) has since taken over the case, noting that while the motive remains under investigation, the shooting appears to be a gang-related hit. Shortly after the killing, a Facebook post by Rohit Godara, a fugitive gangster, claimed responsibility for

From Nagpur to Stanford: RSS steps into global scrutiny zones

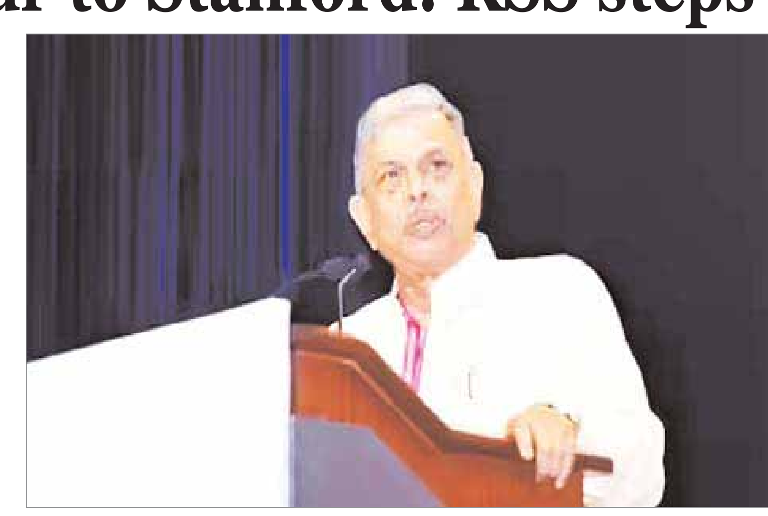

New Delhi, Agency: When a senior RSS functionary enters Stanford's policy-tech circuit and Washington's strategic think-tank ecosystem - spaces where it has long faced scrutiny - the move reads less as routine outreach and more as a calibrated attempt to contest a global narrative.

That is the light in which RSS general secretary Dattatreya Hosabale's tour of US and Germany in April, undertaken as Sangh marks its centenary year, needs to be seen. American academic spaces, particularly Ivy League ecosystems, have produced some of the sharpest critiques of RSS and Hindutva. Against this backdrop, Hosabale's itinerary stood out: an address at Stanford-linked THRIVE 2026 in Silicon Valley, policy engagement at Hudson Institute on April 23, interactions with Indian diaspora and an interview with NPR.

At Hudson Institute, Hosabale directly addressed the perception battle. "This mis-propaganda has taken place for decades. They have portrayed RSS as a Hindu supremacist organisation, as anti-minority, anti-women," he said. In another interaction, he said, "All these years, RSS was working silently... now we thought that it's better to reach out. Our words should also become the message." The Stanford leg - THRIVE 2026 - was pitched differently, aimed at a global technology and academic audience. There, Hosabale leaned into civilisational and ethical themes. "We are all part of the same source of energy... one planet, one family, one shared future," he said, calling for science and technology to be guided by ethical frameworks.

The NPR interview, conducted in Washington, carried a more direct political articulation. "We are not establishing anew any Hindu nation," he said.

The body of sustained academic and student-led criticism in the US of Sangh and Hindutva is significant. Columbia University-based publication The Morningside Post (March 24, 2021) described RSS-linked networks as tied to an "ethnofascist paramilitary group", a 2020 paper in SAGE Journals (Sliding from majoritarianism toward fascism: Educating India under the Modi regime, Bhatty & Sundar) characterised RSS as having an "umbilical relationship" with a "semi-fascist" ideological project aimed at establishing a Hindu rashtra, while the 2021 Dismantling Global Hindutva conference - backed by multiple Ivy League departments - framed Hindutva as a political ideology distinct from Hinduism and warned of its global implications, triggering pushback from Indian groups.

Engaging with leading German policy institutions such as Stiftung Wissenschaft und Politik, Konrad-Adenauer-Stiftung and members of the Abgeordnetenhaus of Berlin, Hosabale said, "RSS's vision for the next 100 years is to contribute to building sustainable societies at every level, from families to societies and environmental responsibility, grounded in shared universal values."

The outreach also signals a shift in RSS's communication strategy. According to a Sangh insider, "from an organisation that historically relied on grassroots work and limited global articulation," it is now seeking to "engage directly with international opinion-makers".